आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* कजरी रतजगा

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 29 | इंदौर, रविवार 30 अगस्त, 2026 | भाद्रपद कृष्ण 2 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

अमेरिका ने वेनेजुएला का 65 अरब बैरल तेल कब्जाया

वॉशिंगटन डीसी/काराकस। अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है। भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के 40 साल के ऑयल इम्पोर्ट के बराबर है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में काम करने वाली एक निजी कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा। इस साझेदारी से निकलने वाले तेल में अमेरिका को 55% हिस्सा मिलेगा। हालांकि, इस निजी कंपनी का नाम अभी नहीं बताया गया है।

पीएम मोदी 4 साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर रवाना

नई दिल्ली। पीएम मोदी शनिवार सुबह दो देशों के लिए दिल्ली से रवाना हुए। उनका यह चार दिन का दौरा होगा। पहले वे उज्बेकिस्तान जाएंगे फिर किर्गिस्तान का दौरा करेंगे। पीएम चार साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर जा रहे हैं। वे किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की 26वीं समिट में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं। मोदी 29-30 अगस्त को उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में रहेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में यह उनका चौथा उज्बेकिस्तान दौरा होगा।

खोदे गए गड्ढे में गिरा स्वामीनारायण मंदिर का तीन मंजिला हिस्सा

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। जॉर्ज टाउन थाना क्षेत्र स्थित स्वामीनारायण मंदिर का तीन मंजिला हिस्सा अचानक भरभराकर निर्माण कार्य के लिए खोदे गए बड़े गड्ढे में जा गिरा। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि जिस हिस्से में हादसा हुआ, उस समय वहां कोई मौजूद नहीं था। इससे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, स्वामीनारायण मंदिर के पीछे पिछले तीन-चार महीनों से निर्माण कार्य चल रहा था। इसके लिए मंदिर के पीछे काफी गहरा और बड़ा गड्ढा खोदा गया था। लगातार हो रही बारिश के कारण गड्ढे में पानी भर रहा था।

इमरान हाशमी को हुआ स्वाइन फ्लू

एच1एन1 टेस्ट आया पॉजिटिव, बेंगलुरु शो कैंसिल, डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी

मुंबई । बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी स्वाइन फ्लू की चपेट में आ गए हैं। उनकी पिछले कुछ दिनों से तबीयत खराब थी। हाल ही में एन1एच1 का टेस्ट करवाने के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इमरान हाशमी पिछले कुछ दिनों से लगातार ट्रेवल कर रहे थे। वह रांची भी गए थे। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। तबीयत ठीक नहीं होने पर उन्होंने एन1एच1 का टेस्ट कराया, जिसकी रिपोर्ट कल पॉजिटिव आई। डॉक्टरों ने इमरान हाशमी को आराम करने और जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है। आवारापन 2 की सक्सेस के बीच इमरान हाशमी बेंगलुरु के एक शो का हिस्सा बनने वाले थे, हालांकि स्वाइन फ्लू होने के बाद अब उन्होंने ये शो कैंसिल कर दिया है। इमरान हाशमी ने आधिकारिक सोशल मीडिया से इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, हैलो बेंगलुरु, मैं सच में बहुत बीमार हूं और दुर्भाग्य से बेंगलुरु के शो में नहीं आ पाऊंगा। लेकिन पिक्चर खत्म नहीं हुई है, बस पोस्टपोन हुई है। मैं आप सभी से 12 सितंबर, शनिवार को सनबर्न यूनियन में मिलूंगा।

नैनो न्यूज

- **नामीबिया** : साउथ अफ्रीका को फिर हराया, ट्राई सीरीज में 18 रन से जीता, ट्रम्पेलमैन-स्मिट को 3-3 विकेट, ब्रेविस के 75 रन काम नहीं आए।
- **मुंबई** : चांदी इस हफ्ते 2,738 रु. सस्ती, 2.44 लाख पर आई, सोना 1,042 रुपये घटकर 1.60 पर आया।
- **मुंबई** : सितंबर में 14 दिन बैंकों में काम नहीं होगा, 4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 8 दिन बैंक बंद रहेंगे।
- **नई दिल्ली** : एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुप्रीम कोर्ट में 31 अगस्त को सुनवाई, याचिका में मांग- पंपों पर बताया जाए पेट्रोल में कितना एथेनॉल मिला रहे।
- **नई दिल्ली** : सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट में नाम शामिल किए जाने का मामले में 21 सितंबर को होगी अगली सुनवाई।
- **मुंबई** : दूध 100 रु. के पार, थोक भाव 9 रु. बढ़ा, नई कीमत एक सितंबर से लागू, दही-पनीर के दाम भी बढ़ सकते हैं।

गलत ब्रांडिंग और खराब क्वालिटी, 3 मसालों में गड़बड़ी, पैक्ड फूड पर रेड लेबल का प्रस्ताव

एवेरेस्ट हींग की बिक्री पर एफएसएसएआई की रोक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने एवेरेस्ट हींग की बिक्री पर अस्थायी रोक लगा दी है। प्रोडक्ट के मिसब्रांडेड और सबस्टैंडर्ड यानी घटिया गुणवत्ता पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक कंपनी तय फूड सेफ्टी मानकों का पालन नहीं करती।

इसके अलावा, लालजी गोदू हींग की बिक्री पर भी फिलहाल रोक लगा दी गई है और कंपनी को चेतावनी जारी की गई है। एफएसएसएआई की जांच में एवेरेस्ट के तीन अन्य प्रमुख उत्पादों- एग करी मसाला, चिकन मसाला और गरम मसाला भी नियमों का पालन नहीं करते पाए गए। हालांकि, इन तीनों मसालों की बिक्री पर बैन नहीं लगाया गया है।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने-पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी, पैकेट पर लाल रंग का षटकोण बनाया जाएगा

खाने-पीने के किसी पैक सामान में अगर नमक-शकर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिमिट से ज्यादा हुई तो पैकेट पर षटकोण का लाल निशान होगा। चेतावनी भी लिखी होगी। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। इसका मकसद ऐसे फूड आइटम को लेकर लोगों को सावधान करना है।
एफएसएसएआई के प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग

के षटकोण आकार का होगा। इसे पैकेट के सामने लगाया जाएगा।
दरअसल, 3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी।
इस मामले की पिछली सुनवाई (13 अगस्त) के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एफएसएसएआई को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें?
इसके बाद एफएसएसएआई ने यह हलफनामा पेश किया है।

सुप्रीम कोर्ट में एफएसएसएआई का नया प्रस्ताव

लाल रंग का हेक्सागोनल सिंबल: एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने पैक्ड फूड्स के लिए पैकेट के फ्रंट में एक नया 'वार्निंग लेबल' लगाने का प्रस्ताव दिया है। यह चमकीला लाल रंग का हेक्सागोनल सिंबल होगा।
इन सामानों की होगी पहचान: यह लाल सिंबल उन प्रोडक्ट्स की पहचान करेगा जिनमें चीनी, नमक या सैचुरेटेड फैट की मात्रा तय सीमा से ज्यादा होगी।
सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद कदम: यह प्रस्ताव जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एफएसएसएआई और सरकार को फ्रंट-ऑफ-पैक वार्निंग लेबल लागू करने में हो रही देरी पर फटकार लगाने के कुछ ही दिनों बाद जमा किया है।

क्या होता है 'मिसब्रांडेड' और 'सबस्टैंडर्ड' फूड

- **मिसब्रांडेड:** जब किसी प्रोडक्ट के लेबल पर दी गई जानकारी गलत, भ्रामक होती है या वह एफएसएसएआई के तय मानकों के अनुसार पैकेजिंग पर डिटेल (जैसे न्यूट्रिशन मान, कंटेंट) सही से नहीं छापता।
- **सबस्टैंडर्ड:** जब कोई फूड प्रोडक्ट एफएसएसएआई के तय की गई मिनिमम क्वालिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करने में विफल रहता है, हालांकि वह सेहत के लिए सीधा जहरीला या असुरक्षित न भी हो, लेकिन उसकी क्वालिटी घटिया होती है।
- **इंडस्ट्री में विरोध:** प्रस्तावित नियमों के कुछ पहलुओं पर फूड इंडस्ट्री ने चिंता जताई है। कोका-कोला के अलावा नेस्ले और पेप्सीको का प्रतिनिधित्व करने वाले समूहों ने इन कड़े उपायों का विरोध किया है। दूसरी तरफ, महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने खाद्य कारोबारियों से केवल सरकारी नियमों के पालन तक सीमित न रहने का आग्रह किया है। उन्होंने कंपनियों को उपभोक्ताओं के प्रति ज्यादा जिम्मेदार और सतर्क बनने की सलाह दी है।

नेपाल में भीषण बाढ़ के दौरान भोटेकोशी इलाके से

बैंक का लॉकर बहकर कई किमी दूर पहुंचा लोगों ने तोड़कर उसमें रखी नकदी निकाली

पुलिस ने 29 लोगों को हिरासत में लिया

एजेंसी ▸▸ काठमांडू

नेपाल में भीषण बाढ़ के दौरान भोटेकोशी इलाके से एक बैंक का लॉकर बहकर कई किलोमीटर दूर पहुंच गया। बाद में धादिंग में मिले इस लॉकर को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकालने के आरोप में पुलिस ने 29 लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस के मुताबिक लॉकर बाढ़ में बहने के बाद बेलखुखोला के पास मिला था। पुलिस को सूचना मिली थी कि स्थानीय लोगों ने लॉकर तोड़कर उसके अंदर रखा कैश निकाल लिया है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। शुरूआती तलाशी में पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों के पास से 92.68 लाख नेपाली रुपए यानी करीब 57 लाख रुपए बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक, हिरासत में लिए गए ज्यादातर लोग गलछी-4 के मस्तार के रहने वाले हैं। कुछ गलछी-6 के आदमघाट और सिद्धलेक-7 के आदमतार के रहने वाले हैं। वहीं कुछ लोग मूल रूप से चितवन और परसा के हैं और फिलहाल धादिंग में रह रहे हैं। सभी की उम्र 19 से 49 साल के बीच है। पुलिस अब बरामद रकम के स्रोत की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामले में और लोग शामिल हैं या नहीं।

महिला के शव से बालियां चुराने वाले 2 गिरफ्तार

इसी दौरान नेपाल में बाढ़ से जुड़ी एक और चोरी का मामला सामने आया। नारायणी नदी में बाढ़ के पानी के साथ बहकर आए एक महिला के शव से सोने की बालियां निकालने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की। वीडियो में दो लोग बाढ़ में बहकर आए महिला के शव से कथित तौर पर सोने की बालियां निकालते दिखाई दे रहे हैं।

अब तक 626 मौतें 2426 लापता

नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ में 626 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2,426 लोग लापता हैं। शुक्रवार रात तक 1,924 लोगों के लापता होने की जानकारी थी। वहीं, 517 विदेशी नागरिक अब भी लापता हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव अभियान जारी है।

छह साल की मासूम का अपहरण कर हत्या

एजेंसी ▸▸ नोएडा

ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के एक गांव नाबालिग का अपहरण कर हत्या करने करने का मामला सामने आया है। आरोपी छह साल की मासूम बच्ची को रक्षाबंधन के दिन उसके घर से बहला फुसला कर के गया। उसके बाद हत्या कर लाश को बोरी में भर कर बाहर ठिकाने लगाया। बच्ची को बोरी में भरकर आरोपी के ले जाने का वीडियो भी सामने आया है। परिजन ने मामले में बच्ची को अगवा कर दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोप लगाए हैं। वहीं पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रिलायंस ने सुभाष चंद्रा के आरोपों को गलत बताया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा की ओर से मीडिया प्लेटफॉर्म्स के गलत इस्तेमाल करने के आरोपों को रिलायंस ने बयान जारी कर गलत बताया है। सुभाष चंद्रा ने आरोप लगाया था कि रिलायंस की ओर से उन पर गलत आरोप लगाते हुए फेक खबरें प्लांट की जा रहीं हैं। इसके जवाब में रिलायंस प्रवक्ता ने कहा कि वह आरोपों से निराश हैं। उनके मीडिया बिजनेस का इस्तेमाल किसी पर हमला करने के लिए नहीं हुआ और न आगे होगा। वह सुभाष चंद्रा का सम्मान करती है। दिवालिया केस को लेकर मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कर्ज देने वाले बैंकों को 22,000 करोड़ से अधिक के दावों पर 99.97% का नुकसान (हेयरकट) झेलना पड़ रहा है।

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर खड़गे का भाषण दिखाया

हल्द्वानी में सभा के बाद मंच का शुद्धीकरण हुआ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

राहुल गांधी दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया।

राहुल ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद मंच का शुद्धीकरण किया गया। प्रधानमंत्री दोषियों पर एक्शन लें। दलितों पर सदियों से अत्याचार हो रहा है। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है।

हजारों साल से इस देश में दलितों पर अत्याचार, हिंसा की गई है। संविधान में यह गैरकानूनी है। लेकिन आज भी स्कूल में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ कराया जाता है। झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है। यह हिंदुस्तान की रियलिटी है। कई गांवों में उन्हें सार्वजनिक कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, इसलिए अलग कुआं खोदना पड़ता है। चाय की दुकानों पर अलग-अलग कप रखे जाते हैं- दलितों के लिए अलग, बाकी लोगों के लिए अलग।

शादी जैसे खुशी के मौके पर भी दलित दूल्हों को घोड़ी पर बैठने से रोका जाता है। कई बार पत्थरबाजी और मारपीट तक होती है। कुछ लोग सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनकर बारात निकालते हैं। यह सिर्फ गांवों की नहीं, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के कई हिस्सों की हकीकत है।

एच5एन1 को लेकर बढ़ी चिंता विशेषज्ञों की निगरानी तेज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नई दिल्ली

एवियन इन्फ्लुएंजा एच5एन1 को लेकर दुनिया भर में सतर्कता बढ़ी हुई है। भारत में भी समय-समय पर पक्षियों में संक्रमण के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों ने वायरस की निगरानी और संक्रमित पक्षियों के संपर्क से बचाव पर जोर दिया है। एच5एन1 को आमतौर पर बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाता है। संक्रमित पक्षियों या उनके दूषित वातावरण के सीधे संपर्क में आने पर इंसानों में संक्रमण का खतरा हो सकता है। हालांकि, मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसे लेकर तत्काल मानव महामारी आने की बात कहना सही नहीं होगा। मानव-से-मानव संक्रमण का लगातार और आसानी से फैलना अभी सामान्य स्थिति नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार बीमार या मृत पक्षियों को छूने से बचना, उनके संपर्क में आने पर हाथों की अच्छी तरह सफाई करना तथा मांस और अंडे को अच्छी तरह पकाकर खाना जरूरी है।

ट्रक-पिकअप की टक्कर के बाद दोनों में लगी आग

ड्राइवर की जिंदा जलने से मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ झाबुआ

झाबुआ जिले के थांदला के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर ट्रक और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। पिकअप चालक बाहर नहीं निकल सका। जलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, एक ट्रक एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के कुछ ही देर बाद दोनों वाहनों में आग लग गई।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पिकअप चालक बाहर नहीं निकल सका। हादसे में मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर की जलने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली।

दिल्ली से केरल जा रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में मची अचानक हड़कंप

ट्रेन की पेंट्री का खाना खाने से 20 छात्र बीमार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खंडवा

दिल्ली से केरल जा रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में शुक्रवार रात उस समय अचानक हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में सफर कर रहे 15 से 20 स्कूली बच्चों की तबीयत एक के बाद एक बिगड़ने लगी। बच्चों को उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी जैसी शिकायतें होने लगीं। बताया गया कि बच्चों ने कुछ समय पहले ट्रेन की पेंट्री कार से खाना लिया था। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ने से फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे स्कूल के शैक्षणिक टूर से दिल्ली से वापस केरल लौट रहे थे। यात्रा के दौरान इटारसी स्टेशन के बाद कुछ बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना लिया था। खाना खाने के कुछ समय बाद बच्चों ने अस्वस्थ महसूस करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे कई बच्चों को उल्टी और जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। ट्रेन में मौजूद स्कूल स्टाफ और अन्य यात्रियों ने बच्चों की हालत बिगड़ती देख रेलवे अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद तय किया गया कि ट्रेन के खंडवा पहुंचते ही बच्चों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

खंडवा में 40 मिनट तक रुकी रही ट्रेन

स्टेशन मास्टर जीएल मीणा के अनुसार, मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस शुक्रवार रात करीब 9 बजकर 5 मिनट पर खंडवा रेलवे स्टेशन पहुंची। बच्चों के बीमार होने की जानकारी पहले ही रेलवे और जिला प्रशासन को मिल चुकी थी, इसलिए स्टेशन पर डॉक्टरों और अधिकारियों की टीम पहले से मौजूद थी। ट्रेन के स्टेशन पहुंचते ही मेडिकल टीम ने प्रभावित बच्चों की जांच शुरू कर दी। डॉक्टरों ने बच्चों की हालत देखते हुए उन्हें जरूरी दवाइयां और प्राथमिक उपचार दिया। इस दौरान ट्रेन करीब 40 मिनट तक खंडवा रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

समझ, समझकर जो न समझे वो अनाड़ी है

हवा का प्रदूषण देश के कई नगरों में गहराता जा रहा है। यह बड़ी अंतर्राष्ट्रीय समस्या के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। हवा में प्रदूषण एक तरह से जहर ही कहा जाएगा। इससे होने वाली हानि बहुत ही घातक हैं। इसे लेकर देश की सर्वोच्च पर्यावरण संस्था गंभीर चिंता जता चुकी है। इस प्रदूषण को रोकना सभी की जिम्मेदारी है। केंद्र से लेकर राज्य सभी इसे लेकर चिंतित हैं। प्रदेश में पराली जलाने के मामले बढ़ना अपने आप में ही चिंता का बडा विषय है। सरकार के लाख प्रयासों के बाद भी इन मामलों का बढ़ना पूरे पर्यावरण के लिए किसी भी हाल में ठीक नहीं है। मानव से लेकर जीव-जंतु सभी के लिए यह हानिकारक ही है। सजा से लेकर अर्थदंड तक के प्रावधान के बाद भी प्रदेश में पराली जलाने की घटनाएं कम होने के बजाय बढ़ना और खासकर प्रदेश के मालवा में इसका बढ़ना चिंताजनक है। इस पर केंद्र सरकार भी चिंता जता चुकी है। प्रदेश में बढ़ी घटनाओं पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के साथ कृषि मंत्रालय ने भी चेताया है। रोकथाम के जरिए जरूरी उपाय करने को कहा है। हाल ही में वायु प्रदूषण को लेकर वायु गुणवत्ता आयोग की बैठक में भी प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं पर चिंता जताई गई है। अब तक चार हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च भी कर चुकी है। कृषि के साथ राजस्व, पर्यावरण विभाग सभी पराली जलाने वाले किसानों को चेता रहे हैं कि खेत साफ करने के चक्कर में भूमि से लेकर पर्यावरण का बड़ा नुकसान यानिकी खूद के साथ पूरे पर्यावरण का ही नुकसान कर रहे हैं। पराली जलाने की बजाय इसके लिए विकल्प दिए जा रहे हैं एक्स्ट्रा रीपर, रीपर, रीपर कंबाइंडर, एक्स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, सुपर सीडर, मल्चर, बेलर आदि यंत्रों पर अनुदान दिया जा रहा है। इसके बाद भी इन मामलों का बढ़ना यह जता रहा है कि हम नहीं सुधरेंगे। इसे लेकर वायु गुणवत्ता आयोग की चिंता बहुत अधिक बढ़ी है। हवा में अगर जहर की स्थिति बनेगी तो वो सभी को अपने दायरे में लेगी। हमारे यहां भी वही स्थिति हो जाएगी जैसी देश के कुछ महानगरों में वर्ष के कुछ दिन हो जाती है। मालवा का हवा पानी एक समय शुद्ध माना जाता था जिसकी हवा में अब यह जहर घुलता जा रहा है। खुसूर-फुसूर है कि यह मामला कानूनी तौर पर काबू का नहीं रह गया है। इसके लिए हमारे जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को एकजुट होकर मैदान में आना होगा और जागृति के साथ ही किसान संगठनों का सहयोग इसमें लेना अनिवार्य होगा तब जाकर ही इस समस्या पर नियंत्रण किया जा सकता है अन्यथा विकृत परंपरा को बदले पर्यावरणीय हालातों में कुछ लोग छोड़ने को तैयार नहीं होंगे और इस कारण से हवा में जहर घुलता ही जाएगा। इसकी परिणिति हम सब को भूगतना होगी। समय रहते अगर इस पर काबू नहीं किया गया तो वो दिन दूर नहीं जब हमें इसके परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

नैनो न्यूज

- राष्ट्रीय बास्केटबॉल स्पर्धा के लिए उज्जैन की बारह खिलाड़ियों का चयन, 27 से 29 स्पर्धा नोएडा में खेली जाएगी
- नेपाल में तबाही के बीच फिर बाढ़ का खतरा, महामंडलेश्वर भगवान नंद गिरी महाराज ने महाकाल से की प्रार्थना, सरकार से तेज रेस्क्यू अभियान की मांग
- अलख मेहर धाम में बांधे रक्षा सूत्र, लिया रक्षा का वचन, सिंधी भाषा और संस्कृति को सहेजने का संकल्प, विजेताओं को मिला पुरस्कार
- रक्षाबंधन पर धर्मसभा में दिखा प्रेम, पवित्रता और सुरक्षा का त्रिवेणी संगम, धर्मसभा में पंन्यास प्रवर श्री ऋषभरत्न विजयजी महाराज ने प्रवचन दिया।
- तिरुपति गोल्ड कॉलोनी में रहवासी सोसायटी का गठन, संतोष यादव अध्यक्ष निर्वाचित, नागरिक सुविधाओं के लिए सर्वसम्मति से बनी 10 सदस्यीय कार्यकारिणी, तीनों गलियों को मिला प्रतिनिधित्व
- अमर शहीद बलराम जोशी की प्रतिमा को बांधी राखी, सीमाओं पर तैनात जवानों की दीघार्यु के लिए प्रार्थना
- संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उज्जैन के खिलाड़ियों ने जीते 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक, लगातार दूसरे वर्ष मिली सफलता, छह में से पांच कैटेगरी में उज्जैन रहा अव्वल

ट्रेंडिंग

महीनों बीतने पर भी कोई पलट कर देखने नहीं आता पाइप लाइन डालने के बाद

शिकायत नहीं तो सीवरेज के लिए खोदे गड्ढों का निवारण भी नहीं

खोद कर गड्ढों में पाइप के ऊपर मिट्टी तो डाल दी लेकिन समतल करने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

वर्तमान समय में प्रशासनिक प्रक्रिया के हालात ही ऐसे हो चुके हैं कि बगैर शिकवा शिकायत के कुछ नहीं हो रहा है। ऐसा ही मामला सिवरेज के लिए खोदे जा रहे गड्ढों का भी है। इस काम में भी भेदभाव के हाल कायम हो गए हैं और अब इसे प्रताड़ना देने की तरह उपयोग किया जाने लगा है। ताजा मामला देवास रोड सर्विस रोड के पेट्रोल पंप से डिवाईन वेली तक पाइप लाइन डालने के लिए सड़क खोदने का है।

शहर में पिछले कई वर्षों से सुरसा की तरह हो रहा सीवरेज की लाइन डालने का काम जारी है। नगर निगम इस काम को एक निजी कंपनी से करवा रहा है। वैसे तो इस काम को सालों पहले पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन सालों बाद भी यह काम जारी है। अक्सर इस काम को लेकर मात्र कुछ प्रतिशत बचा होना बताया जाता है किंतु काम है कि सालों बाद भी पूरा नहीं हो रहा है। पिछले कई वर्षों से शहरवासी इस काम के कारण प्रताड़ना की स्थिति में जीवन ज्ञापन कर रहे हैं। देवास रोड पर वीआईपी मार्ग एवं गेस्ट हाउस के बराबर विशाला क्षेत्र की इस सर्विस रोड को खोद दिए जाने से आवागमन में समस्या और गहरा गई है।

ट्रेंच खोदी भरी नहीं

निजी कंपनी ने सीवरेज की लाइन डालने के लिए सर्विस रोड पर खुदाई करीब एक माह पूर्व की थी। यहां बनी आरसीसी रोड को कंपनी ने खोदा और उसमें अपनी पाइप लाइन डाल दी। इस पाइप लाइन को डालने के बाद कंपनी में खुदाई में निकला मटेरियल फिर से ट्रेंच में उलीच दिया। इसमें आरसीसी के मटेरियल को नीचे एवं मिट्टी को ऊपर उलीचा गया। इससे पूरे क्षेत्र में कीचड़ की स्थिति पानी बरसने के साथ ही गहरा जाती है। डिवाईन वेली के शाप संचालकों को दुकानें चलाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खोदी गई ट्रेंच को पूरी तरह से भरकर उसे समतल करते हुए उपर से प्लास्टर नहीं किए जाने के कारण इस रोड के एक साइड का उपयोग न तो पैदल चलने वाले कर पा रहे हैं न हीं वाहनों के निकलने लायक ही एक साइड का उपयोग हो पा रहा है।

महीनों बाद भी कोई देखने वाला नहीं

डिवाईन वेली एवं क्षेत्र के दुकान संचालकों का कहना है कि खुदाई के समय ही संबंधितों को कहा गया था कि इसे सीवरेज की लाईन डालने के तत्काल बाद बंद करते हुए समतल किया जाना बेहतर होगा। इसके बाद भी ऐसा नहीं किया गया। हालिया स्थिति में भी ट्रेंच की खुदाई के बाद उसे उधड माप बंद तो किया गया है जिससे न तो खुदाई की और वाहन चल पा रहे हैं न हीं पैदल ही आवागमन हो पा रहा है। इस कारण से ऋषिनगर पेट्रोल पंप से लेकर डिवाईन वेली तक के क्षेत्र में आवागमन की परेशानी बनी हुई है।

पेट्रोल पंप, बैंक सहित कई बड़े शॉप

सर्विस रोड के एक और पेट्रोल पंप के साथ बैंक, शो रूम, आवासीय परिसर, गैराज एवं उसके उपरांत शहर का सबसे महत्वपूर्ण इलेक्ट्रानिक शो रूम और उसके बाद एतिहासिक आवासीय परिसर और कोचिंग क्लास के साथ डिवाईन वेली के तमाम शाप हैं जिनमें प्रतिदिन हजारों की संख्या में ग्राहक पहुंचते हैं। ग्राहकों को वाहन रखने के साथ ही इस समस्या से दो चार होना पड़ रहा है।

महीनों बाद भी प्रेमछाया मार्ग बाधित

निजी कंपनी के सीवरेज लाइन डालने से शहर के एक आध क्षेत्र में ही समस्या और शिकायत हो ऐसा कतई नहीं है। शहर के अन्यानेक क्षेत्र में इससे परेशानी का हाल कायम है। देवास रोड विशाला क्षेत्र की सर्विस रोड की तरह ही प्रेमछाया से लाल मस्जिद क्षेत्र की सड़क पर खुदाई में सिवरेज लाइन डालने के बाद प्रेम छाया परिसर से बहादुरगंज चौराहा तक के मार्ग की ट्रेंच को महीनों बाद भी समतल नहीं किया जा रहा है। वर्तमान में पूरा चौराहा ही आवागमन में परेशानी का सबब बना हुआ है। महीनों बाद भी यहां के हाल नहीं सुधरे हैं। निजी कंपनी यहां पिछले 6 माह में दो से तीन बार खुदाई करते हुए प्रयोग कर चुकी है। लाइन डालने के बाद यहां सड़क को समतल करने को लेकर निजी कंपनी का कोई रूझान नहीं है।

वीआईपी मुवमेंट के समय परेशानी

देवास रोड वीआईपी रूप से महत्वपूर्ण है। हेलीपेड से वीआईपी गेस्ट हाउस तक व्यवस्तता की स्थिति में अक्सर रहता है। ऐसे में देवासरोड पर आवागमन करने वालों को इस सर्विस रोड से ऋषिनगर तिराहा पर निकाल कर मार्ग को चालू रखा जाता है। वीआईपी गेस्ट हाउस में वीआईपी मुवमेंट के समय आरटीओ तिराहा से ऋषिनगर तिराहा तक के देवास रोड को बंद रखा जाता है। ऐसे में आवागमन को डायवर्ट करते हुए इस सर्विस रोड से ऋषिनगर एवं आरटीओ चौराहा निकाल दिया जाता है। पिछले एक माह के दौरान कई अवसर ऐसे आए जब देवास रोड पर आवागमन को बंद किया गया तो डायवर्ट की इस सर्विस रोड पर खुदाई को समतल नहीं किए जाने से आवागमन परेशानी दायक और बाधित हुआ है।

जिम्मेदार के नंबर हो सार्वजनिक

दुकानदारों ने कहा कि नगर निगम को इस मामले में शिकायत करने पर वे इसे निजी कंपनी का बताते हैं और निजी कंपनी का कार्यालय कहां है उसके जिम्मेदार कौन हैं यह किसी को जानकारी में नहीं होता है। हाल यह हैं कि समस्या का निदान मिलना मुश्किल हो रहा है। नगर निगम सिवरेज कार्य से जुड़े उसके अधिकारियों के नंबर सार्वजनिक करे और इसके साथ ही निजी कंपनी के कार्यालय का पता सहित उसके तमाम जिम्मेदार अधिकारियों के मोबाईल नंबर सार्वजनिक करे जिससे आमजन अपनी समस्या के निदान के लिए खूद ही प्रयास कर शिकायत दर्ज करवा सके। इसी तरह नगर निगम के झोन वार इंजीनियरों एवं जिम्मेदारों के नंबर सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

कोई सुनने, देखने वाला नहीं

दुकानदारों से पूछने पर वे बताते हैं कि इस मामले के बड़े बुरे हाल हैं। नगर निगम में शिकायत करने के बाद भी कोई सूनने वाला नहीं है। कई बार बोलने पर भी खुदाई के बाद सड़क को प्लास्टर कर समतल करवाने को लेकर इनका कोई ध्यान नहीं है। न ही सीवरेज कंपनी का कोई जिम्मेदार ही है जिसे समस्या से अवगत करवाया जा सके।

रक्षाबंधन पर्व पर सबसे पहले बांधी भगवान महाकाल को राखी

सवा लाख लड्डुओं का लगाया भोग

भस्म आरती में पुजारी परिवार की महिलाओं ने निभाई परंपरा, 2 फीट की राखी अर्पित

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को देश की सबसे पहली राखी भगवान महाकाल को बांधी गई। महाकाल मंदिर में तड़के करीब 3 बजे हुई भस्म आरती के दौरान पुजारी परिवार की महिलाओं ने बाबा महाकाल को राखी अर्पित की।

मान्यता है कि हिंदू रीति-रिवाजों से मनाए जाने वाले प्रमुख पर्वों की शुरूआत सबसे पहले भगवान महाकाल के आंगन से होती है। भगवान महाकाल के लिए राखी तैयार करने वाली पुजारी परिवार की महिलाओं ने पूरे सावन माह में व्रत-उपवास रखा। करीब एक सप्ताह की मेहनत के बाद उन्होंने अपने हाथों से बाबा महाकाल के स्वरूप और प्रिय प्रतीकों को ध्यान में रखकर विशेष राखी तैयार की। इस बार करीब 2 फीट लंबी विशाल राखी बनाई गई।

लड्डुओं का भोग लगाकर भगवान की आरती की गई। धार्मिक मान्यता के अनुसार जो भक्त श्रावण मास में पूरे माह उपवास करते हैं, वे श्रावणी पूर्णिमा पर भगवान महाकाल के लड्डू प्रसाद को ग्रहण कर उपवास खोलते हैं। अधिक से अधिक भक्तों को लड्डू प्रसाद मिल सके इसके लिए पुजारी सवा लाख लड्डुओं का भोग भी लगाया गया।

रात 2 बजे मंदिर पहुंचीं महिलाएं

राखी बांधने के लिए पुजारी ओम गुरु और राजेश शर्मा के परिवार की महिलाएं रात करीब 2 बजे ही मंदिर पहुंच गई थीं। भस्म आरती के दौरान राखी बांधने तक उन्होंने मंत्रोच्चार किया। भस्म अर्पित होने के बाद विशेष राखी बाबा महाकाल को समर्पित की गई। राखी बांधने के बाद महिलाओं ने मंदिर से मिले प्रसाद से अपना व्रत खोला। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार के भाइयों को राखी बांधी।

राखी बनाते समय किया मंत्र जाप

पुजारी परिवार की महिलाओं ने राखी तैयार करते समय भी धार्मिक परंपराओं का पालन किया। राखी निर्माण के दौरान वे लगातार जय महाकाल और ॐ नमः शिवाय का जाप करती रहीं। करीब एक सप्ताह की मेहनत से तैयार इस राखी को रक्षाबंधन की भस्म आरती में बाबा महाकाल को अर्पित किया गया।

रेशमी कपड़े, मोर पंख और रुद्राक्ष से सजाई राखी

पुजारी आकाश गुरु ने बताया कि करीब 2 फीट की इस विशेष राखी को रेशमी कपड़े, रेशमी धागे और आभूषणों से तैयार किया गया है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय मोर पंख और गौ माता को भी स्थान दिया गया है। राखी को आकर्षक बनाने के लिए इसमें कांच वर्क, मोर पंख और रुद्राक्ष का इस्तेमाल किया गया है। इसके साथ ही बाबा महाकाल के प्रिय त्रिनेत्र, ॐ और त्रिपुंड को भी राखी के डिजाइन में शामिल किया गया है।

वर्षों पुरानी परंपरा फिर हुई जीवंत

राखी पर छलके आंसू, भाई को सामने देख भावुक हुई बहन

पूर्व राज्यसभा सांसद रघुनन्दन शर्मा ने बहन इंदिरा देवी से बंधवाई राखी, परिवार के साथ मनाया रक्षाबंधन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और आत्मीय रिश्ते का प्रतीक है। इसी भावना की एक बेहद भावुक तस्वीर उज्जैन में उस समय देखने को मिली, जब पूर्व राज्यसभा सांसद एवं मानस भवन भोपाल के वर्तमान कार्यकारी अध्यक्ष रघुनन्दन शर्मा अपनी बहन इंदिरा देवी से राखी बंधवाने पहुंचे।

रघुनन्दन शर्मा रक्षाबंधन के अवसर पर आनंद मोहन उपाध्याय के निवास पर पहुंचे। भाई को सामने देखते ही बहन इंदिरा देवी की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। वर्षों पुराने भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता इस मुलाकात में साफ दिखाई दी। भावुक माहौल के बीच बहन ने भाई की कलाई पर राखी बांधी और भाई-बहन ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

- **वर्षों पुरानी परंपरा को निभाया-** बताया गया कि रघुनन्दन शर्मा वर्षों से रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी बहन से मिलने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। इस बार भी उन्होंने इस परंपरा को कायम रखा और उज्जैन पहुंचकर बहन से राखी बंधवाई। इस अवसर पर भांजी सुनीता उपाध्याय सहित परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। सभी ने साथ बैठकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। लंबे समय बाद या विशेष अवसर पर होने वाली ऐसी पारिवारिक मुलाकातों में रिश्तों की गर्माहट और अपनापन सहज ही देखने को मिलता है।
- **रिश्ते पुराने, लेकिन प्यार हमेशा नया-** रक्षाबंधन की इस मुलाकात ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि समय कितना भी बदल जाए और जीवन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, भाई-बहन का रिश्ता अपनी भावनात्मक गर्माहट बनाए रखता है। राखी की डोर केवल कलाई पर नहीं बंधती, बल्कि यह बचपन की यादों, स्नेह, विश्वास और जीवनभर साथ निभाने वाले रिश्ते को और मजबूत करती है। उज्जैन में हुई यह मुलाकात इसी भाई-बहन के अटूट प्रेम की एक भावुक मिसाल बन गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बहनों ने बांधे रक्षा सूत्र, देव दर्शन किए

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शुक्रवार रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गृह जिले के खाचरोद तहसील मुख्यालय पहुंचे थे। हेलीपेड पर उनका स्वागत करते हुए बहनों ने उन्हें रक्षा सुत्र बांधे हेलीपेड पर नागदा निवासी माया तितलिया एवं मनीषा अखिलेश शर्मा ने उन्हें राखी बांधकर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आत्मीयता से बहनों का मुंह मीठा कराया और रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने खाचरौद के ग्राम चिरोला फंटा में स्थित संत श्री निजानंद धाम आश्रम पहुंचे। आश्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजन अर्चन कर श्रीश्री 1008 सचिदानंद महाराज की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। सड़क मार्ग खाचरौद से उज्जैन आगमन के दौरान उन्हेल रोड पर ग्राम तुमड़ावदा में स्थित श्री सागोती माता मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने श्री सागोती माता मंदिर में पूजन कर दर्शन किए और प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। उज्जैन पहुंचकर मुख्यमंत्री ने अंगारेश्वर मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किया।

ई-अटेंडेंस में राहत की गेंद संकुल प्राचार्यों के पाले में आएगी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

ई-अटेंडेंस को लेकर परेशान शिक्षकों को राहत का संदेश सामने आ रहा है। इसमें राहत की गेंद संकुल प्राचार्यों के पाले में आने वाली है। इसमें अभी एक पखवाड़ा उपरांत समग्र निर्देश जारी होने की उम्मीद है। इसके तहत अगर शिक्षक ई-अटेंडेस लगाने में देरी होने पर संकुल प्राचार्य को उचित एवं पुष्टिकारक कारण बताएगा तो वे इसमें राहत दे सकेंगे।

ई-अटेंडेंस नहीं लगा पाने और कम की स्थिति में वेतन रोकने जैसी स्थिति को लेकर शिक्षकों के विरोध के बीच स्कूल शिक्षा विभाग अब इसके पॉवर डेलिगेट करने की तैयारी में है। जल्द ही जिलों में पदस्थ संकुल प्राचार्यों को इसके पॉवर दिए जाएंगे और उचित कारण होने की दशा में संकुल प्राचार्य अपने विद्यालय क्षेत्र में आने वाले शिक्षकों को ई-अटेंडेंस लगाने के मामले में देरी पर राहत दे सकेंगे। जल्दी ही इसके आदेश विभाग जारी करने वाला है। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने कहा कि शिक्षकों की ई-अटेंडेंस व्यवस्था अब सामान्य स्थिति में आ गई है। रोज 97 से 98 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ई अटेंडेंस लगाई जा रही है, इसलिए अब उचित कारण के साथ संकुल प्राचार्यों को इससे संबंधित पॉवर दिए जाएंगे। जल्दी ही इसको लेकर अगले 15 दिनों में सर्कुलर जारी कर दिया जाएगा। आयुक्त सिंह ने कहा कि विभाग का उद्देश्य शिक्षकों को प्रताड़ित करना नहीं है बल्कि एक व्यवस्थित सिस्टम को प्रभावी करना है और शिक्षकों द्वारा इसका पालन भी किया जा रहा है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र खत्री से चर्चा करने पर उनका कहना था कि उन्हें संदेश मिला है अभी इसे लेकर विभागीय निर्देश नहीं मिले हैं।

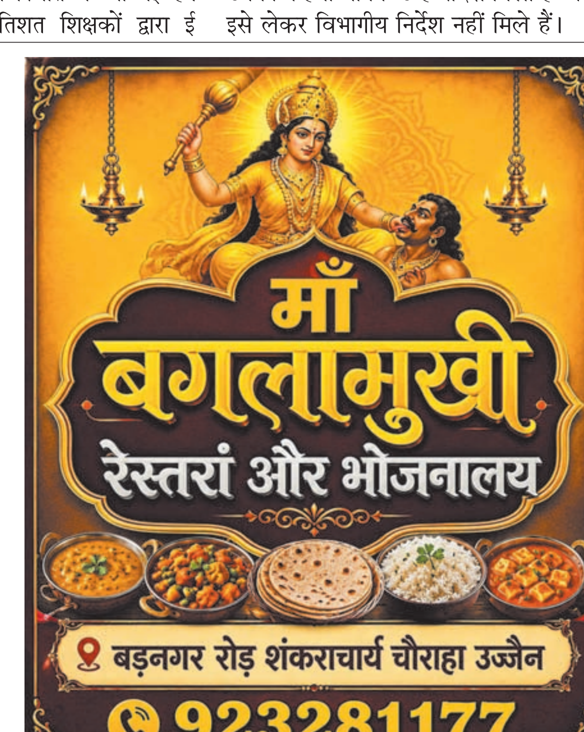

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | रविवार 30 अगस्त, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने दोहराया प्रदेश की हर बहन की खुशहाली का संकल्प

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ग्वालियर की लाड़ली बहनों ने स्नेह और विश्वास से भरी राखियाँ बांधी। इन राखियों के पवित्र धागों ने जहां भाई-बहन के आत्मीय रिश्ते को सुदृढ़ किया। वहीं प्रदेश की हर बहन के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और खुशहाली के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्प को और मजबूत किया। रक्षाबंधन के उपहार स्वरूप लाडली बहना योजना के तहत अतिरिक्त धनराशि देने के लिए ग्वालियर की लाडली बहनों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद पत्र भी भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ग्वालियर विमानतल पर तैनात सीआईएसएफ की दो महिला सुरक्षा कर्मियों ने राखियां बांधीं।

7 दिवसीय श्रीरासलीला समारोह सहित प्रदेशभर में होंगे आयोजन

इंदौर। बलराम जयंती 2 सितम्बर 2026 के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कलारुपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितम्बर 2026 को प्रदेशभर में भव्य स्तर पर मनायी जायेगी। जन्माष्टमी बाललीला का पर्व है, इसीलिए बच्चों को विशेष रूप से आयोजनों से जोड़ने के लिए स्कूलों में मटकी प्रतियोगिता, बांसुरी प्रतियोगिता, छोटे बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बालस्वरूप में तैयार कर विशेष प्रस्तुति स्कूलों में आयोजित होगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रत्येक जिले में कृष्ण मंदिरों,मठों, देवालयों का विशेष श्रृंगार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों में स्वच्छता अभियान, मटकी सज्जा प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता,भजन गायन, झांकी ('कृष्ण जन्म', 'वृंदावन', 'गोवर्धन पूजा' जैसी जीवंत झांकियाँ, दीप-प्रज्वलन एवं सामुहिक आरती जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी।

संभागीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता 10 सितम्बर को

इंदौर। उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर सुगम संगीत संभागीय प्रतियोगिता वर्ष 2026-27 का आयोजन 06 से 15 सितम्बर, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के अंतर्गत युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता के संभागीय आयोजन अंतर्गत इंदौर संभाग में 10 सितम्बर, 2026 को प्रातः 10 बजे से शासकीय लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय, इंदौर में आयोजित होगी। यह प्रतियोगिता पूर्णतः निःशुल्क होगी, जो दो आयु वर्गों में आयोजित की जाएगी। इसमें जूनियर 8 से 15 वर्ष एवं सीनियर 16 से 25 वर्ष के दो आयु वर्ग हैं। आयु निर्धारण की तिथि 01 जनवरी 2026 होगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय एवं अकादमी कार्यालय से शासकीय कार्य दिवसों में प्राप्त किये जा सकेंगे।

नेपाल त्रासदी के मृतकों की शांति के लिए हुआ विशेष हवन

इंदौर। तपोनिष्ठ संत श्री श्री 1008 पीठाधीश्वर श्री राजगुरु जी महाराज के सानिध्य में शिवनगर तिल्लौर खुर्द मार्ग स्थित हनुमंत खेड़ापति आश्रम, पिपलिया लोहार में 29 जुलाई से चल रहे सावन महोत्सव एवं अखंड रामायण पाठ का समापन रक्षाबंधन पर्व पर 28 अगस्त को धार्मिक आयोजन के साथ हुआ। समापन अवसर पर दोपहर 12 बजे विशाल भंडारा, गुरुदीक्षा कार्यक्रम, हवन-पूजन, महाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया गया। सावन महोत्सव के दौरान आश्रम में प्रतिदिन भगवान महादेव का अभिषेक, विशेष पूजन एवं महाआरती की गई। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन भोजन प्रसादी की व्यवस्था रही, वहीं सात दिवसीय शिव महापुराण कथा का भी आयोजन किया गया। आश्रम परिसर में अखंड रामायण पाठ लगातार जारी है। धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धालुओं को नशामुक्ति का संदेश भी दिया गया। समापन अवसर पर नेपाल में हुई त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनकी आत्मा की शांति एवं सद्गति के लिए विशेष हवन-पूजन किया गया। गुरुवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए श्री राजगुरु जी महाराज ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी से भारत सहित कई देशों के लोगों को क्षति पहुंची है। ऐसे समय में मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना मानवता का दायित्व है। इसी भावना के साथ आश्रम परिसर में विशेष पूजन एवं हवन किया गया था।

नैनो न्यूज

- **बालाघाट को 225 करोड़ की सौगात** – मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बालाघाट में 100 गांवों के विकास के लिए 225 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की।
- **एमपी में भारी बारिश का अलर्ट** – मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।
- **चीनी स्टॉक पर सरकार की सख्ती** – मध्य प्रदेश में 1 सितंबर से थोक विक्रेताओं और बड़े उपभोक्ताओं के चीनी भंडारण पर सीमा लागू होगी।
- **रीवा अस्पताल में मां-बच्चे की मौत** – सी-सेक्शन के बाद महिला और नवजात की मौत के मामले में दो डॉक्टर निलंबित, जांच के आदेश दिए गए।
- **नेपाल में फंसे यात्रियों की चिंता** – विदिशा की महिला समेत मध्य प्रदेश के कुछ यात्रियों से संपर्क टूटने की खबर सामने आई है; परिवार परेशान हैं।
- **अनूपपुर की दो बहनों की सुरक्षित खबर** – नेपाल बाढ़ में फंसी दोनों बहनों ने परिवार को फोन कर सुरक्षित होने और लौटने की जानकारी दी।
- **एमपी में सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन** – मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष से सभी विभागों में नियमित रूप से विभागीय पदोन्नति समितियों की बैठक होगी।

इंदौरी दुकान में सोने की चमक के तौल में लफड़ा ,नापतौल विभाग ने किया प्रकरण दर्ज

तौल में लफड़ा उज्जैन में संभव नहीं ? फिर भी नापतौल विभाग सुस्त!

उज्जैन के बाजार में भी संभव है इंदौर में हुई धांधली तो फिर विभाग एक्शन मोड पर कब आएगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

इंदौर के एक बडे ज्वेलर्स शाप में सोने की चमक में तौल का टंटा किया गया है। नापतौल विभाग ने इस मामले में प्रकरण दर्ज किया है। जिस प्रकार से तौल में टंटा किया गया है वैसा लफडा उज्जैन में भी संभव है लेकिन यहां नापतौल विभाग पूरी तरह से सुस्त है। संभवतः उसे विश्वास है कि उज्जैन में ऐसा नहीं हो सकता है।

महाकाल लोक बन जाने के बाद उज्जैन का व्यवसाय भी चल पडा है और यहां भी लोगों की परचेसिंग पावर बढती जा रही है ।इसी के चलते उच्चतम दर होने पर भी लोगों ने सोना झचांदी की खरीद अच्छी खासी की है। इंदौर में नामचीन ज्वेलर्स पर ग्राहक की शिकायत पर नापतौल विभाग ने सर्जिकल स्ट्राईक करते हुए कांटा जब्त कर गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। इसके तहत मामला न्यायालय में प्रकरण पेश करने की तैयारी है। इधर अब तक इस पूरे मामले को लेकर प्रतिष्ठान की और से कोई जवाब सामने नहीं आया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या उज्जैन में ऐसा मामला संभव नहीं है या फिर नापतौल विभाग को पूरा विश्वास है कि उसके रहते उज्जैन में किसी की ऐसा करने की हिम्मत नहीं है।

ऐसे लगाया जा रहा था ग्राहकों को चूना

मामले की शुरूआत तब हुई जब एक जागरूक ग्राहक जेवरात की खरीदारी के दौरान शोरूम में आभूषणों का वजन करा रहा था। उस दौरान ग्राहक को कांटे के अंकों, ठहराव और तौल की प्रक्रिया पर गंभीर संदेह हुआ। जब ग्राहक ने अपने स्तर पर सवाल खड़े किए और कड़ा ऐतराज जताया, तो शोरूम का स्टाफ संतोषजनक जवाब देने के बजाय टालमटोल और लीपापोती करने लगा। इसके तुरंत बाद ग्राहक ने विधिक मापविज्ञान विभाग को लिखित शिकायत दर्ज करा दी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए नापतौल विभाग के निरीक्षक दल ने तत्काल शोरूम पर छापा मारा और अपने अधिकृत मानक बाट-माप (स्टैंडर्ड रेफरेंस वेट्स) से वजन प्रणाली की गहन पड़ताल की। जांच में वजन कांटे में भारी तकनीकी अनियमितताएं और तय मानकों का गंभीर उल्लंघन उजागर हुआ। विभाग ने मौके पर स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में वैधानिक कार्रवाई करते हुए जप्ती-मेमो तैयार किया।

1 मिली ग्राम पर हजारों का फटका

खास तो यह है कि जब सोने के दाम अपने उच्चतम स्तर पर रेकार्ड कायम कर रहे हैं ऐसे में एक मिलीग्राम भी ग्राहक को हजारों का फटका लगा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि इसकी क्या ग्यारंटी है कि और कहीं और अन्य स्थानों पर ऐसा नहीं हो रहा होगा। उज्जैन में आई परचेसिंग पावर के तहत इस मामले में अच्छी खासी खरीदी होने लगी है। इस घटनाक्रम के होने के बाद भी शहर में अब तक नापतौल विभाग की सक्रियता सामने नहीं आई है। विभाग की टीम ने मौके से 'सेंसुई' मेक की इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस मशीन को जब्त कर लिया। इसके अलावा शोरूम परिसर में नियमानुसार अनिवार्य नापतौल सत्यापन प्रमाण-पत्र भी प्रदर्शित नहीं पाया गया। विधिक मापविज्ञान अधिनियम 2009 की धारा 30(1) के तहत तौल में छल-कपट और मध्य प्रदेश विधिक मापविज्ञान नियम 2011 के नियम 13(6) के उल्लंघन पर शोरूम की मैनेजर और प्रतिष्ठान के खिलाफ अपराध क्रमांक 24/2026-27 के तहत दंडनीय प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में परिवाद पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

शराबबंदी सिर्फ कागजों पर? शहर की दुकानें बंद...

शहर के पहुंच मार्गों पर खुल गए शराब के डिपो

उज्जैन में शराबबंदी के फैसले पर उठ रहे सवाल, शहर की सीमा खत्म होते ही नजर आती हैं बड़ी-बड़ी दुकानें

समस्या खत्म होने के बजाय शहर की सीमा से बाहर खिसकती दिख रही शराब की बिक्री

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाकाल की नगरी उज्जैन में शराबबंदी का निर्णय निश्चित रूप से धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से बड़ा फैसला माना गया था। नगर निगम सीमा में शराब की दुकानों पर ताले लग गए और शहर के भीतर वर्षों से संचालित दुकानों का अस्तित्व समाप्त हो गया। सरकारी स्तर पर इसे शराबबंदी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या शराबबंदी वास्तव में हुई है या शराब की दुकानें सिर्फ शहर की सीमा से बाहर खिसक गई हैं?

जमीनी तस्वीर पर नजर डालें तो स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है। उज्जैन शहर का वास्तविक विस्तार कागजों पर निर्धारित नगर निगम सीमा से कहीं आगे तक फैल चुका है। शहर में आने-जाने वाले प्रमुख मार्गों पर आबादी, कॉलोनियां, होटल, ढाबे और व्यावसायिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में शहर की सीमा समाप्त होते ही यदि बड़े आकार की शराब दुकानें संचालित होती हैं, तो आम नागरिक के लिए यह अंतर केवल सरकारी नक्शे तक सीमित रह जाता है।

शहर के भीतर छोटी दुकानें बंद, बाहर बड़े डिपो जैसे ठिकाने

शहर में पहले जहां छोटी-छोटी शराब दुकानें अलग-अलग इलाकों में दिखाई देती थीं, अब उनके बंद होने के बाद शराब की उपलब्धता पूरी तरह खत्म नहीं हुई। बल्कि आलोचकों का कहना है कि कई प्रमुख पहुंच मार्गों और शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों में बड़े प्रतिष्ठानों के रूप में शराब की बिक्री का केंद्र विकसित हो गया है। अप्रैल 2025 में उज्जैन नगर निगम सीमा में शराब बिक्री पर रोक लागू होने के बाद शहर की 17 शराब दुकानों को बंद किया गया था। उस समय प्रशासन की ओर से बताया गया था कि बंद दुकानों को शहर से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। यही व्यवस्था अब सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर रही है—यदि दुकान शहर से बाहर कर दी गई, लेकिन वह शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग पर ही मौजूद है, तो शराबबंदी का सामाजिक उद्देश्य कितना पूरा हुआ?

पहले ही सामने आ चुकी है सीमा से बाहर की दुकानों की समस्या

शराबबंदी लागू होने के कुछ ही समय बाद उज्जैन की नगर सीमा से बाहर स्थित दुकानों पर भीड़ और खुले में शराब पीने को लेकर विवाद सामने आया था। अप्रैल 2025 में आगर रोड सहित कुछ क्षेत्रों में दुकानों के बाहर बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई भी की थी। यह घटनाक्रम बताता है कि केवल नगर सीमा के भीतर दुकान बंद कर देना पर्याप्त नहीं है। यदि सीमा से लगे क्षेत्रों में शराब की बिक्री और उसके आसपास भीड़ की समस्या पैदा होती है, तो उसका असर शहर की यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक वातावरण और कानून-व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

सवाल यह नहीं कि दुकान शहर में है या बाहर, सवाल यह है कि शहर पर असर क्या पड़ रहा है?- प्रशासन के लिए सबसे बड़ा सवाल यही होना चाहिए कि शराब की दुकान भले ही राजस्व या प्रशासनिक रिकॉर्ड में नगर निगम सीमा से बाहर हो, लेकिन क्या उसका संचालन व्यवहारिक रूप से उज्जैन शहर के सामाजिक और सार्वजनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है? यदि दुकान शहर के प्रवेश मार्ग पर है, वहां बड़ी संख्या में ग्राहक पहुंचते हैं, सड़क किनारे वाहन खड़े होते हैं, भीड़ जमा होती है और आसपास के लोगों को परेशानी होती है, तो सिर्फ यह कह देना कि ह्यदुकान नगर निगम सीमा से बाहर है समस्या का समाधान नहीं माना जा सकता।

सरकार और प्रशासन से उठने चाहिए ये सवाल

- क्या शहर की सीमा से लगी शराब दुकानों का व्यापक सर्वे कराया गया है? ■प्रमुख पहुंच मार्गों पर शराब दुकानों की स्थिति और उनके आसपास की भीड़ का आकलन हुआ है? ■क्या इन दुकानों के कारण यातायात या कानून-व्यवस्था संबंधी शिकायतें बढ़ी हैं? ■क्या शहर की वास्तविक आबादी और विकसित क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए शराब दुकानों की लोकेशन की समीक्षा की जाएगी? ■क्या शराबबंदी के सामाजिक उद्देश्य की समीक्षा केवल सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर होगी या जमीनी स्थिति के आधार पर भी? ■क्या शहर की सीमा से लगे क्षेत्रों में शराब बिक्री के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं के लिए कोई अलग व्यवस्था बनाई गई है?

फिर नीति की समीक्षा जरूरी है- शहर के भीतर दुकानें बंद कर देना आसान है, लेकिन शहर के चारों ओर बन रहे शराब बिक्री के नए केंद्रों के प्रभाव को रोकना असली चुनौती है। उज्जैन में अब बहस इसी बात पर होनी चाहिए कि शराबबंदी सिर्फ कागज की सीमा तक सीमित रहेगी या उसकी भावना शहर की वास्तविक सीमा तक भी पहुंचेगी? क्योंकि आम नागरिक के लिए उज्जैन वहीं खत्म नहीं होता, जहां सरकारी नक्शे में नगर निगम की सीमा समाप्त होती है। जहां से उज्जैन की आबादी, यातायात और रोजमर्रा का जीवन शुरू होता है, वहीं से शराबबंदी के असर का वास्तविक हिसाब भी होना चाहिए।

कागज पर सीमा बाहर, व्यवहार में उज्जैन के दरवाजे पर

उज्जैन को इंदौर, भोपाल, रतलाम, धार, राजस्थान और अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाले कई प्रमुख सड़क मार्ग हैं। जिला प्रशासन की वेबसाइट भी उज्जैन की सड़क कनेक्टिविटी और प्रमुख राजमार्गों का उल्लेख करती है। इन मार्गों पर शहर की सीमा से कुछ दूरी पर शराब की दुकान होने का अर्थ यह है कि शहर में रहने वाला व्यक्ति शराब खरीदने के लिए शहर के दूसरे हिस्से में जाने के बजाय सीधे शहर की सीमा से लगे इलाके तक पहुंच सकता है। यानी शराब की उपलब्धता खत्म नहीं हुई, केवल उसका पता बदल गया।

शराबबंदी का उद्देश्य था सामाजिक बदलाव, सिर्फ दुकान हटाना नहीं

शराबबंदी का मूल उद्देश्य केवल नगर निगम की सीमा के भीतर शराब की दुकानें बंद करना नहीं माना जा सकता। इसका उद्देश्य शराब की सहज उपलब्धता कम करना, धार्मिक नगरी की गरिमा बनाए रखना और सामाजिक वातावरण को बेहतर करना है। यदि शहर के अंदर दुकान बंद होने के बाद उसी शहर के मुख्य प्रवेश मार्गों पर बड़े शराब बिक्री केंद्र विकसित हो जाएं, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठेगा कि नीति का वास्तविक लाभ किसे मिला? एक तरफ शहर में शराब की छोटी दुकानों पर ताले हैं, दूसरी तरफ शहर में आने-जाने वाले प्रमुख रास्तों पर बड़े बिक्री केंद्र लोगों को आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। ऐसे में आम नागरिक के मन में यह धारणा बनना स्वाभाविक है कि शराबबंदी हुई नहीं, सिर्फ शराब की दुकान का स्थान बदला है।

शराबबंदी की सफलता का पैमाना क्या होगा?- उज्जैन जैसे धार्मिक शहर में शराबबंदी का फैसला केवल सरकारी आदेश की सफलता या असफलता से नहीं मापा जाना चाहिए। इसका असली पैमाना यह होना चाहिए कि क्या शराब की सहज उपलब्धता कम हुई? क्या सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी कम हुई? क्या महिलाओं और आम नागरिकों को राहत मिली? क्या धार्मिक नगरी का वातावरण बदला?

इंदौर में चालान संबंधी शंका का भी किया समाधान

चालान फर्जी है या वास्तविक? हेल्पलाइन ने दी नागरिक को सही जानकारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर शहर में सुगम व सुरक्षित यातायात हेतु आमजन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशन में, यातायात पुलिस द्वारा नागरिकों की यातायात संबंधी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों के त्वरित निराकरण के लिए संचालित इन्दौर ट्रैफिक साथी एप व यातायात हेल्पलाइन लगातार प्रभावी भूमिका निभा रही है। प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी टीमों तक पहुंचाकर तत्काल कार्यवाही कराई जा रही है। यातायात व्हाट्सएप हेल्पलाइन नागरिकों के लिए केवल यातायात जाम या सड़क पर बाधा संबंधी शिकायतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यातायात चालान से जुड़ी शंकाओं के समाधान में भी मददगार साबित हो रही है। दिनाँक 27 अगस्त को एक नागरिक द्वारा वाहन क्रमांक MP09NB9634 के संबंध में शिकायत की गई कि उसके वाहन पर NO DL (बिना लाइसेंस) का गलत चालान किया गया है इस संबंध में सही जानकारी चाही गई।

हेल्पलाइन द्वारा शिकायत को ट्रैफिक टीएमसी शाखा तक पहुंचाया गया। शाखा द्वारा प्रकरण का निराकरण करते हुए नागरिक को स्पष्ट जानकारी दी गई कि उक्त चालान ठड ऊछ का नहीं, बल्कि संकेत उल्लंघन का है। इस प्रकार हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक को उसके चालान की वास्तविक स्थिति की सही जानकारी प्राप्त हुई और उसकी शंका का समाधान किया गया। हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों में कई मामलों में मौके पर त्वरित कार्यवाही के सामने खड़ी कार को वाहन मालिक से संपर्क कर हटवाया गया। आई.टी. पार्क से तीन ईमली मार्ग पर टूटे डिवाइडर की सूचना नगर निगम को देकर उसे ठीक कराने की कार्रवाई कराई गई। इसी प्रकार नो-पार्किंग एवं अवैध पार्किंग की शिकायतों पर भी संबंधित टीमों द्वारा कार्रवाई कर वाहन हटवाए गए।

दूध के दाम पर किसानों का आर-पार का एलान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एक सितंबर से दूध के भाव बढ़ाने की मांग को लेकर दुग्ध उत्पादक किसानों ने मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को सांवेर तहसील के धरमपुरी स्थित विश्वनाथ धाम में दुग्ध उत्पादक संघ की बड़ी बैठक आयोजित हुई। जिसमें किसानों ने दूध के नए बिक्री भाव तय किए और यदि तय मांग के अनुसार भाव नहीं बढ़ाए गए तो आंदोलन किया जाएगा। किसानों ने तय किया कि तय मांग अनुसार दूध नहीं खरीदा गया तो दूध और सब्जी की सप्लाई रोक दी जाएगी।

दरअसल धरमपुरी में आयोजित बैठक में सांवेर, देपालपुर, महू, कनाड़िया और खुडैल तहसील के करीब पांच सौ किसान शामिल हुए। बैठक में किसानों ने तय किया कि अब भैंस का दूध 70 रुपए प्रति लीटर, गाय का दूध 60 रुपए प्रति लीटर और फैट के आधार पर दूध देने पर 12 रुपए प्रति फैट की दर से भुगतान लिया जाएगा।

किसान दिलीप सिंह और अरविंद सिंह राठौड़ का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय नहीं हुआ तो 1 सितंबर को इंदौर कलेक्टर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

53 रुपये मिल रहे, लागत हुई 65 रुपये

किसान दिलीप सिंह का कहना है कि वर्तमान में उन्हें करीब 53 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से दूध का भुगतान मिल रहा है, जबकि उत्पादन लागत 65 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच चुकी है। दूध के केन का परिवहन भाड़ा भी किसानों की जेब से लिया जा रहा है। वर्तमान में भैंस की कीमत डेढ़ लाख रुपये से ऊपर पहुंच गई है। खली 50 रुपये किलो, भूसा एक हजार रुपये क्विंटल और चूरी-चापड़ 30 रुपये किलो तक बिक रहा है। पशुओं के इलाज का खर्च अलग से लगातार बढ़ रहा है।

सीरिया की महिला डॉक्टर से हुई दोस्ती, 6 लाख गंवाए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर। फेसबुक पर अनजान महिला से दोस्ती 70 वर्षीय रिटायर प्राचार्य को भारी पड़ गई। साइबर ठगों ने महिला डॉक्टर बनकर पहले बुजुर्ग से दोस्ती की और फिर महीनों तक बातचीत कर उन्हें भरोसे में लिया। इसके बाद महिला के सीरिया से भारत आने का झांसा दिया गया।

एयरपोर्ट पर कस्टम में सामान फंसने की कहानी सुनाकर ठगों ने कस्टम और आरबीआइ अधिकारी बनकर अलग-अलग शुल्क के नाम पर करीब छह लाख रुपये ऐंठ लिए। शाहीन नगर (मूसाखेड़ी) निवासी 70 वर्षीय डॉ. अयाज कुरैशी (सेवानिवृत्त प्राचार्य) ने ठगी का अहसास होने के बाद आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ठगों ने फेसबुक पर डॉ. आयशा खान के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाई थी। इसमें खुद को सीरिया की डाक्टर बताया गया। बुजुर्ग से ठगों ने डॉ. आयशा के नाम से लगातार बातचीत की और उनका विश्वास जीत लिया। दोनों ने मोबाइल नंबर साझा कर लिए और वाट्सएप पर भी चैटिंग करने लगे। कुछ समय बाद महिला ने भारत आने की बात कही।

इसके बाद बुजुर्ग को बताया गया कि सीरिया में युद्ध के कारण हालात खराब है और वह दिल्ली (भारत) आना चाहती है। उसने मेडिकल उपकरण और क्लिनिक का सामान भी फ्लाइट से लाने की बात की थी। कुछ समय बाद उसने डॉक्टर से दिल्ली रवाना होने की बात कही। अचानक डॉक्टर अयाज के पास अज्ञात नंबर से कॉल आया और कहा कि वह दिल्ली एयरपोर्ट से कस्टम विभाग से बात कर रहा है। विदेशी सामान जब्त करने की धमकी दी और रुपयों की मांग की।

एमआर-10 फ्लाईओवर पर मार्किंग-लाइटिंग बाकी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर-देवास बायपास पर एमआर-10 फ्लाईओवर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फिलहाल मांगलिया से बिचौली की ओर एक हिस्से से वाहनों की आवाजाही शुरू है। अगले कुछ दिनों में दूसरा हिस्सा भी खोला जाएगा। एनएचएआइ फ्लाईओवर पर रोड मार्किंग, दिशा-सूचक संकेत और लाइटिंग का काम कर रहा है।

एक तरफ की एप्रोच रोड भी बनाई जा रही है। निर्माण एजेंसी को सितंबर के पहले सप्ताह तक काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव के अनुसार ट्रायल के बाद ट्रैफिक समीक्षा कर दोनों ओर आवाजाही शुरू की जाएगी।

करीब 50 करोड़ की लागत वाले इस फ्लाईओवर का काम अगस्त 2023 में शुरू हुआ था। ट्रैफिक डायवर्शन और तकनीकी दिक्कतों से यह करीब एक साल लेट है। मुख्य निर्माण अक्टूबर 2025 में पूरा हो गया था। 180 मीटर लंबे फ्लाईओवर में छह स्पान पर गर्डर और स्लैब बिछाने का काम भी पूरा है।

अंडरपास के लिए बंद होगी सर्विस रोड

फ्लाईओवर के पूरी तरह शुरू होने के बाद आठ लेन अंडरपास का काम तेज होगा। सर्विस रोड पर खोदाई और नर्मदा लाइन का कनेक्शन जोड़ा जाना है। इससे विजय नगर, तुलसी नगर और निपानिया में पानी पहुंचेगा। अधिकारियों के मुताबिक फ्लाईओवर पर ट्रैफिक शुरू होने के बाद सर्विस रोड बंद कर मरम्मत होगी, फिर नर्मदा प्राधिकरण पाइपलाइन कनेक्शन करेगा। कनेक्शन में देरी से प्रोजेक्ट पहले ही सात-आठ महीने पिछड़ चुका है।

भयमुक्त होने के उपाय

आपके मन में सवाल उठ सकता है कि मौत के भय से कैसे बचें? मैं आपसे पूछता हूं कि भय आपको कब होता है? गहरी नींद में जब आप अपने शरीर को नहीं देखते, तब भय होता है क्या? वह आपके पीछे तब लग जाता है, जब आप पूरी तरह जाग्रत होकर शरीर और जगत को देखते हैं। यदि आप गहरी नींद की तरह शुद्ध आत्मरूप से रहें और इनको न देखें, तो भय आपका स्पर्श ही नहीं कर सकता।

यदि आप तलाश करें कि किस चीज के नाश की आशंका से भय होता है, तो मालूम होगा कि वह चीज शरीर नहीं, बल्कि उसमें रहकर कार्य करने वाला मन है। कई लोग इस रोगायतन और सब समस्याओं तथा असुविधाओं के जनक शरीर से मुक्त रहना पसंद करेंगे, यदि वे निरंतर बनी रहने वाली चेतना की सुरक्षा के बारे में आश्वस्त हों। मन शरीर नाश से नहीं, चेतना के नाश से भयभीत होता है। लोग अस्तित्व को पसंद करते हैं, क्योंकि वह शाश्वत चैतन्य है, जो उनकी अपनी आत्मा है। तो क्यों न हम अभी से, शरीर में रहते हुए ही शुद्ध चैतन्य का अवलंबन करके सब भयों से मुक्त हो जाएं?

एक बार नींद में चले जाएं, तो आप कुछ नहीं कर सकते। जब तक आप जाग्रत अवस्था में हैं, तब तक विचारों से मुक्त रहने का प्रयत्न कीजिए। यदि जाग्रत स्थिति में निर्विचार रह सकें, तो पर्याप्त है। नींद के पूर्व आप जिस स्थिति में होते हैं, जगने पर वही जारी रहती है। आप जगने पर वहीं से प्रारंभ करते हैं, जहां नींद में जाने से पहले आपने छोड़ा था। न हमें अधिक सोना चाहिए, न ही जगना चाहिए, उचित मात्रा में नींद लेनी चाहिए। अधिक नींद से बचने के लिए हमें विचारों से मुक्त रहना चाहिए।

सम्पादकीय

युद्ध के छह महीने

ईरान-अमेरिका युद्ध को छह महीने हो गए, लेकिन अभी भी अमन बहाली के आसार बनते नहीं दिख रहे हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता में जून में हुए समझौते की मियाद पहले ही पूरी हो गई है। जून में जो सहमति बनी थी, उसके अनुसार, दोनों ही देशों को 60 दिन में या 17 अगस्त तक स्थायी युद्ध विराम समझौता कर लेना चाहिए था, लेकिन अफसोस, अभी तक तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोई जल्दी नहीं है और न ईरान अभी किसी तरह के समझौते पर बात करना चाहता है। रुक-रुककर पाकिस्तान, कतर जैसे कुछ देश युद्ध विराम के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन कोशिशें परवान नहीं चढ़ रही हैं। कभी ईरान की हठधर्मिता, तो कभी अमेरिका या इजरायल की जिद आड़े आ रही है। समग्रता में देखा जाए, तो अमेरिका इस युद्ध में अब तक बुरी तरह नाकाम रहा है। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति अपने मकसद से काफी दूर हैं। अमेरिका न तो वर्तमान ईरानी शासन को ध्वस्त कर पाया है, न तेहरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार की पुष्टि कर सका है और न होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खुलवा पाया है।

बहुत अफसोस की बात है, कच्चे तेल का अभाव या आपूर्ति का असंतुलन लगातार बना हुआ है। तेहरान पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हुए हैं और उसका धन भी रुका हुआ है। न अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त हुई है और न अमेरिकी आक्रामकता में कमी आई है। दोनों देशों ने एक दूसरे के खिलाफ हर तरह के दांव आजमा लिए हैं। मुश्किल में पड़े अनेक देशों की चिंता न तो ईरान को है और न अमेरिका को। यह युद्ध एक तरह से नाक का सवाल बन गया है। अमेरिका चाहता है कि ईरान हार मानकर पीछे हट जाए, लेकिन ईरान के स्वभाव में हार मानने की प्रवृत्ति नहीं है। अमेरिका जैसी महाशक्ति के खिलाफ ईरानी सैन्य-कूटनीतिक-आर्थिक आक्रामकता ने दुनिया में भू-राजनीति को बहुत हद तक बदल दिया है। अमेरिका की बादशाहत को बीते छह महीने में बहुत चुनौती मिली है। उसके बारे में अनेक भ्रम टूटे हैं और एक गंभीर देश के रूप में भी उसकी छवि बुरी तरह प्रभावित हुई है। युद्ध में किसी तरह से विजय पाने के लिए अमेरिका ने जो दांव चले हैं, उससे कई नकारात्मक शक्तियों को भी बल मिला है। आतंकवाद का सहारा लेने वाले देशों का भी दुस्साहस बढ़ा है। इस युद्ध से चीन और रूस की भी ताकत बढ़ी है।

पहाड़ की एक चीख और हमारी पूरी तरक्की कटघरे में

नदी का सैलाब था या हमारी विकास-दृष्टि का हिसाब?

कभी-कभी पहाड़ नहीं टूटता, हमारे गढ़े हुए भ्रम टूटते हैं। नेपाल-तिब्बत सीमा पर करीब 17 हजार फुट की ऊंचाई पर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटकर लगभग एक किलोमीटर नीचे गिरा और बर्फ, चट्टान व मलबे की प्रचंड धारा बाढ़ में बदल गई। नदियां उफनीं, गांव बह गए और सैकड़ों लोग लापता हो गए।

प्रो. आर.के. जैन
(दैनिक अवन्तिका)

उपग्रह तस्वीरों ने बर्फ में आया वह बदलाव पकड़ लिया, जिसे हमारी आंखें और व्यवस्था समय रहते नहीं पढ़ सकीं। इसलिए यह महज प्राकृतिक आपदा नहीं, उस हिमालय की चेतावनी है, जिसे हमने सदियों तक अडिग माना, जबकि वह भीतर ही भीतर बदल रहा था। बर्फ टूटने की गूंज दरअसल उस भ्रम के चकनाचूर होने की गूंज है कि हिमालय हमारी गलतियां हमेशा ढोता रहेगा।

अब इस आपदा का सबसे भारी सच उन नामों में है, जिनके आगे सिर्फ एक शब्द है–लापता। इनमें कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर निकले बड़ी संख्या में भारतीय तीर्थयात्री हैं, जिनके परिवार अब आस्था नहीं, इंतजार में हैं। ब्रिटिश (लगभग एक दर्जन) और अमेरिकी पर्यटक भी हैं, जो रोमांच खोजने आए और प्रकृति में खो गए। हर नाम पीछे एक परिवार, उम्मीद और अधूरी जिंदगी छोड़ गया। ऊंचाई और मौसम ने राहत रोक दी; हेलीकॉप्टर उतर नहीं सके, बचाव दल पहुंच नहीं पाए। यहीं तकनीक की ताकत बौनी पड़ जाती है। डिजिटल नक्शे और महंगे उपकरण उस भूगोल में बेबस हैं, जहां कुछ मिनटों में नदी रास्ता और इंसान अपना पता खो देता है।

पहाड़ का कोई हादसा अचानक नहीं होता; दरकने से पहले वह कई बार चेताता है। बढ़ता तापमान हिमालयी बर्फ और ग्लेशियरों की अस्थिरता बढ़ा रहा है, लेकिन इस टूटने का तत्काल कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जुलाई 2025 में भी ल्हेंदे-भोटेकोशी क्षेत्र में ग्लेशियल झील के फटने से बाढ़ आई थी। मगर दोष केवल जलवायु परिवर्तन का नहीं। हमने नाजुक हिमालयी घाटियों में सड़कें काटीं, जलविद्युत परियोजनाएं खड़ी कीं और पर्यटन के नाम पर भीड़ बढ़ाई। भोटेकोशी नदी पहले भी बता चुकी है कि पहाड़ की अपनी

सीमाएं हैं। हमने इन संकेतों को विकास की रफ्तार में दबा दिया। समस्या सिर्फ गर्म होती बर्फ नहीं, वह अहंकार भी है जिसने मान लिया कि पहाड़ हमारी सुविधा के मुताबिक ढल जाएगा।

जिस हिमालय के आगे कभी सिर झुकता था, उसके सामने अब हम कैमरा और सुविधा लेकर खड़े हैं। पुराने यात्रियों के साधन सीमित थे, पर पहाड़ के प्रति अनुशासन था। वे मौसम पढ़ते, स्थानीय चेतावनी मानते और पर्वत को खुद से बड़ा समझते थे। आज तीर्थ और रोमांच की रेखा मिट गई है। लक्जरी टेंट, तेज सफर और सोशल मीडिया ने यात्रा को अनुभव से ज्यादा प्रदर्शन बना दिया। प्रकृति मनोरंजन और पहाड़ सुविधा की जगह बन गया। विडंबना यह है कि हिमालय जब अपना असली रूप दिखाता है, तो महंगी यात्रा, बीमा और आधुनिक उपकरण भी जीवन की गारंटी नहीं देते। हिमालय को पर्यटन चाहिए, भीड़ और बाजार की अंधी भूख नहीं।

पानी को सरहदें नहीं रोकतीं; फिर हिमालय की आपदा को सीमाओं में कैसे बांधा जा सकता है? तिब्बत में ग्लेशियर टूटता है, नेपाल में बाढ़ आती है और असर भारत की नदी प्रणालियों तक पहुंच सकता है। इस बाढ़ का असर नेपाल से बहने वाली नदी प्रणालियों के जरिए भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश तक पहुंच सकता है, जहां सतर्कता जारी है। नक्शे इंसानों ने बनाए हैं; पानी और बर्फ उन्हें नहीं मानते। इसलिए हिमालय को देशों के टुकड़ों में देखना खतरनाक है। साझा उपग्रह निगरानी, ग्लेशियरों की जांच, शुरूआती चेतावनी, आपदा आंकड़ों का आदान-प्रदान और संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटन की सीमा जरूरी है। पीढ़ियों से पहाड़ के साथ जी रहे स्थानीय लोगों का ज्ञान भी इसका हिस्सा होना चाहिए। विज्ञान जरूरी है, पर स्थानीय अनुभव को उसका विरोधी मानना बड़ी भूल होगी।

विकास जरूरी है, मगर सवाल यह है कि उसकी कीमत कौन चुकाएगा? बिजली के लिए जलविद्युत, रोजगार और विदेशी मुद्रा के लिए पर्यटन, संपर्क के लिए सड़कें और सुरंगें चाहिए। विरोध विकास का नहीं, उसके अंधेपन का है। जब एक नाजुक घाटी में इतने निर्माण हो जाएं कि एक प्राकृतिक घटना पूरी व्यवस्था को ढहा दे, तो वह विकास नहीं, जोखिम का विस्तार है। हिमालय के बुजुर्ग जानते हैं कि कब नदी बदलती है, किस ढलान पर खतरा है और कौन-सा संकेत टालना नहीं चाहिए। आधुनिक योजनाओं ने इस ज्ञान को अक्सर पिछड़ा मान लिया। अब विकास को स्थानीय अनुभव और वैज्ञानिक आकलन–दोनों के आगे झुकना होगा।

बाढ़ उतर जाएगी, पर उसके पीछे छोड़ा सवाल नहीं उतरेगा। हिमालय की बर्फ सिर्फ पहाड़ पर जमी बर्फ नहीं, एशिया की विशाल नदियों का प्राकृतिक जल-भंडार है। ग्लेशियरों की अस्थिरता एक ओर अचानक बाढ़, दूसरी ओर भविष्य में पानी की कमी का खतरा बढ़ा सकती है। इसलिए आज की ह्यलापताह्न सूची को सिर्फ प्रशासनिक आंकड़ा समझना भूल होगी; इसमें आने वाले वर्षों की जलवायु चेतावनी छिपी है। तापमान बढ़ता रहा, निर्माण बेलगाम रहा और पर्यटन वैज्ञानिक सीमा से बाहर गया, तो ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं रहेंगी। तब हर आपदा के बाद हम कहेंगे–किसी ने सोचा नहीं था। जबकि हिमालय शायद बहुत पहले से कह रहा होगा–सोचो।

हिमालय से लेने की हमारी भूख का अंत कहां होगा–यही अब सबसे बड़ा सवाल है। इस बार बर्फ ने सिर्फ नदी नहीं बढ़ाई, हमारी विकास-दृष्टि की दरार भी खोल दी। अब तीर्थ में संयम, पर्यटन में सीमा, निर्माण में वैज्ञानिक अनुशासन और विकास में पर्यावरणीय विवेक जरूरी है। हिमालयी समुदायों को फैसलों में केंद्र देना होगा और वैज्ञानिक चेतावनियों को फाइलों से निकालकर नीति बनाना होगा। हिमालय को जीतने नहीं, उसके साथ जीने की भाषा सीखनी होगी। बर्फ की चुप्पी टूट चुकी है। अगली बार पहाड़ कब बोलेगा, कोई नहीं जानता। तय सिर्फ इतना है–अगली चेतावनी से पहले हम सुनना सीखेंगे या फिर किसी नई लापता सूची में अपने अहंकार का नाम खोजेंगे।

वार्ड नंबर तीन

जिला अस्पताल के वार्ड नंबर तीन के बाहर गलियारे में पचहत्तर साल के मंशाराम हर सुबह नौ बजे इस निष्ठा से आकर बैठ जाते थे जैसे कोई ईमानदार भ्रष्टाचारी अपनी अगली किश्त का इंतजार करता है। उनके हाथों में लोहे की एक पुरानी जंग लगी व्हीलचेयर का उखड़ा हुआ चमड़े का हत्था होता था जिसे वे अपनी धोती के पल्ले से इस आत्मीयता से पोंछते थे जैसे कोई नेता चुनाव के बाद अपने दागदार चरित्र को धो रहा हो। अस्पताल का नया वार्ड बॉय जब भी उन्हें देखता तो ऐसी चुटकी लेता जो सरकारी फाइलों की चुभन से भी तेज होती और कहता कि बाबा जब हर वीआईपी मरीज को नया स्ट्रेचर और आम आदमी को नई उम्मीद का झांसा मिल रहा है तो इस कबाड़ को अपनी छाती से लगाकर डॉक्टरों का रास्ता क्यों रोकते हो। अस्पताल में डॉक्टरों का रास्ता रोकना दरअसल लोकतंत्र का रास्ता रोकने जैसा अपराध है क्योंकि दोनों ही जगह केवल वीआईपी गाड़ियां ही बिना रुके निकल सकती हैं। मंशाराम अपनी धुंधली आँखों से उसकी तरफ देखते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह लोहे का टुकड़ा केवल कबाड़ नहीं है बल्कि इस सरकारी अस्पताल की उस अंधी संवेदनहीनता का हिस्सा है जो रोज जिन्दगियों का सौदा ऐसे करती है जैसे बाजार में सड़ी हुई सब्ज़ियां बिक रही हों।

आसपास खड़े तीमारदार और कर्मचारी उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है इस बूढ़े का दिमाग उम्र के साथ वैसा ही सठिया चुका है जैसा हमारे देश का शिक्षा तंत्र जो डिग्रियां तो बाँटता है पर अक्ल छीन लेता है। वे कहते कि यह टूटी व्हीलचेयर के हत्थे को ढाल बनाकर पूरे महकमे से मुकाबला करने चला है मानो कोई अकेला सच का सिपाही संसद में नैतिकता की तलाश कर रहा हो। मंशाराम किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस उखड़े हुए हत्थे को अपनी कांपती हथेलियों में वैसे ही भींचे रहते थे जैसे एक मध्यमवर्गीय आदमी अपनी आखिरी बचत को महंगाई से बचाता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 30 अगस्त 2026 रविवार
सूर्योदय - 06:12 सूर्यास्त 18:42
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - दुतिया 09:67 उपरांत तृतीया
नक्षत्र - उत्तराभाद्रपदा 03:45 उपरांत रेवती
योग - शूल 03:46 उपरांत गण्ड
करण - गर
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मीन में रहेगा।
मुस्लिम मास - रवि उलावल मास 16

मेष- कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। आपके निर्णय सटीक साबित होंगे। दांपत्य जीवन में भरोसा और समझ बढ़ेगी।

वृषभ- कारोबारी हैं तो व्यापारिक मुनाफे में वृद्धि होगी। निवेश के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

मिथुन- लव पार्टनर के साथ भरोसा मजबूत होगा। यात्रा का मन बन सकता है।

कर्क- आय के नए स्रोत सामने आएंगे। आर्थिक संतुलन बना रहेगा। ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे, फिर भी खानपान का ध्यान रखें।

सिंह- नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास कार्यक्षेत्र में आगे रखेगा। प्रमोशन के संकेत मिल रहे हैं।

कन्या- कारोबार में नए ग्राहकों से जुड़ाव होगा, बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आय के योग उत्तम हैं।

तुला- प्रेम जीवन में उत्साह रहेगा, साथी के साथ समय बिताएंगे। संपत्ति से भी लाभ हो सकता है।

वृश्चिक- कार्यक्षेत्र में अपनी प्राथमिकताओं को तय करें और एकाग्रता से आगे बढ़ें।

धनु- रियल एस्टेट या निर्माण कार्य से जुड़े व्यवसाय में लाभ होगा। पारिवारिक शांति बनी रहेगी।

मकर- अपनों के साथ आनंद मिलेगा। धन संचय करने में सफल रहेंगे, बेफिजूल खर्च से बचें।

कुंभ- कार्यस्थल पर अलग पहचान बनेगी और प्रभाव बढ़ेगा। अधिकारियों का समर्थन मिलेगा।

मीन- नए वेंचर या बिजनेस प्लान शुरू करने के लिए अनुकूल समय है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

नशामुक्ति: घर से शिक्षण संस्थानों तथा समाज से सरकार तक

नशे की समस्या आज किसी एक वर्ग, आयु, समाज या राज्य तक सीमित न रहकर एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुकी है।

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

पारंपरिक मादक पदार्थों के साथ-साथ शराब, तंबाकू, दवाओं का गैर-चिकित्सकीय उपयोग और अन्य मनःप्रभावी पदार्थों का सेवन इस चुनौती को लगातार जटिल बना रहा है। बदलती जीवनशैली, मानसिक तनाव, एकाकीपन, साथियों का दबाव और नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता युवाओं को इस दलदल में धकेल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्फा और जेन-जी पीढ़ी इस खतरे के सबसे संवेदनशील मुहाने पर खड़ी है, क्योंकि यह अवस्था उनके शारीरिक, मानसिक और व्यक्तित्व विकास की बुनियादी नींव होती है।

चिकित्सकीय दृष्टिकोण से देखें तो भांग, गांजा, अफीम, शराब और तंबाकू के साथ-साथ बिना डॉक्टरी सलाह के दवाओं का अत्यधिक सेवन जानलेवा साबित हो रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे की लत किसी व्यक्ति की इच्छाशक्ति या चरित्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि यह जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों का परिणाम है। इसलिए इसके समाधान के लिए भय, दंड या सामाजिक बहिष्कार के स्थान पर वैज्ञानिक रोकथाम, चिकित्सीय उपचार, परामर्श और पुनर्वास पर बल दिया जाना चाहिए। नशे का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित न रहकर पूरे पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर देता है। दीर्घकालिक सेवन से स्मरण शक्ति, निर्णय क्षमता और उत्पादकता प्रभावित होती है। किशोरावस्था में मस्तिष्क के विकास की प्रक्रिया जारी रहने के कारण यह जोखिम और भी गंभीर रूप ले लेता है। इससे जहाँ परिवार को आर्थिक संकट और घरेलू कलह झेलनी पड़ती है, वहीं समाज में दुर्घटनाओं, हिंसा और अपराधों में वृद्धि होती है। यही कारण है कि नशामुक्ति को व्यक्तिगत सुधार तक सीमित न मानकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण का राष्ट्रीय मुद्दा माना जाना चाहिए।

इस समस्या की शुरूआती पहचान रोकथाम में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। पढ़ाई या कार्यस्थल के प्रदर्शन में अचानक गिरावट, अकारण धन की मांग, अत्यधिक गोपनीयता, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, आँखों का लाल होना, तुतलाहट, चाल में असंतुलन और शरीर पर सिरिंज के निशान इसके प्राथमिक लक्षण हो सकते हैं। हालाँकि ये लक्षण तनाव या अन्य चिकित्सीय कारणों से भी हो सकते हैं, इसलिए संदेह होने पर आरोप-प्रत्यारोप या बदनामी के बजाय शांत संवाद और चिकित्सीय सलाह को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

नशामुक्ति की प्रथम नींव परिवार में ही रखी जाती है। अभिभावकों का दायित्व बच्चों पर अनुचित अपेक्षाओं का बोझ डालना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वासपूर्ण माहौल बनाना है जहाँ वे अपना तनाव और भय साझा कर सकें। इसके साथ ही शिक्षण संस्थानों को एक-दिवसीय अभियानों से आगे बढ़कर जीवन-कौशल शिक्षा, तनाव प्रबंधन और खेलकूद को नियमित पाठ्यचर्या का हिस्सा बनाना होगा। समाज को भी नशे को 'आधुनिकता' का प्रतीक मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा।

सरकारी स्तर पर केवल प्रतिबंध लगाने तक सीमित न रहकर अवैध आपूर्ति पर कठोर नियंत्रण, नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार और व्यापक जन-जागरूकता सुनिश्चित करना अनिवार्य है। भारत सरकार का 'नशा मुक्त भारत अभियान' इसी दिशा में युवाओं और शिक्षण संस्थानों को जोड़ रहा है। नीतिगत ढांचे में कानून का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ नशा-निर्भर व्यक्ति को 'अपराधी' मानने के बजाय 'रोगी' मानकर उपचार का अवसर दिया जाना चाहिए।

व्यंग्य

कोंडके को पीछे छोड़ते नेता

जो नेता बन जाता है उसको कुछ भी बोलने की छुट मिल जाती है वह जब मंच पर होता है तो ऐसा लगता है सारी सृष्टि उसके चलाने से ही चल रही है । मंच से कुछ भी बोलने में उसको मजा तब आता है जब श्रोता मजा ले लेकर उसकी बात सुने इसलिए कई नेता व्यक्तिगत रूप से रस ले लेकर अपने अपने विरोधियों को अपने भाषण में व्यक्तिगत रूप से अनावृत करने के डायलाग बोलकर मजा लेते हैं । श्रोता उसे सुनकर ताली बजा बजाकर रस लेते हैं । कोई कोई नेता सीधे सीधे नहीं कहता सीधे सीधे कहे तो उसे नंगई मान लिया जाता है , इसलिए वे भाषण के बीच बीच में पोज लेकर द्विअर्थी संवाद बोलने लगते हैं । नेता छोटे से छोटा हो या बड़े से बड़ा अब सबके जिह्वा से द्विअर्थी संवाद रस टपकने लगे हैं । वैसे इस भीषण महंगाई व मिलावट व कार्यालयों में काम अटकाऊ के दौर में जनता का मनोरंजन करना जरूरी होता है ताकि परिस्थितियों के मारे वह तनाव में न रहे । नेता यह नहीं कहते कि चोली के पीछे क्या है वे तो बस दूसरे नेताओं के कमीज के भीतर झांक कर मंच पर मनोरंजन बिखेरते हैं ताकि वादों की बातें सुनकर श्रोताओं के कान पके नहीं और वे सभा से खिसकने न लगें । नेताओं द्वारा मंचों पर इसीलिए मनोरंजन जरूरी है ताकि अस्पतालों व साइकोलॉजीस्ट के यहां भीड़ न बढ़ने लग जाए । आज के नेता पब्लिक से जुड़े रहने के लिए द्विअर्थी संवाद के प्रसिद्ध फिल्मकार - अभिनेता दादा कोंडके को भी पीछे छोड़ने लगे एक नेता को ही देख लो भाषण में वे बोले, ' कावेरी का पानी आए या न आए लेकिन........(उसका) पानी तो जरूर आएगा । ' इस पर आपत्ति हुई और वे गिरफ्तार कर लिये गए। वे चले थे दादा कोंडके की बराबरी करने भला उनकी बराबरी कोई कर सकता है ? वे तो वाक्य में विराम और तुरंत आगे वाला शब्द बोल देते । शब्द विन्यास ऐसे इस्तेमाल करते की बस । कोंडके के विशिष्ट हास्य व दोहरे अर्थ पर तो सेंसर बोर्ड भी अश्लीलता का आरोप नहीं लगा पाता । उनकी फिल्मों के नाम ही देखिए , ' अंधेरी रात में दिया तेरे हाथ में,' खोल दे मेरी जुबान, ' । फिल्म और मंच पर संवादों को देखिए , ' तेरे बीच में मेरे, मेरे बीच में तेरे कहकर द्विअर्थी का माहोल बनाते थे । ऐसे ओर भी हैं , ' तेरी ले लूं बाहें , ' ' खोल के मुझको दे दे , ' तुरंत बाद ' कानों की बाली ' बोलकर बात को बदल देते थे लेकिन तब तक श्रोता समझ जाते । सेंसर बोर्ड उन पर अश्लीलता का आरोप नहीं लगा पाता । शाब्दिक तौर पर वाक्य का दूसरा अर्थ एकदम सीधा और सामान्य होता । जनता को आकर्षित करने के लिए नेतागण अपने भाषणों में दादा कोंडके को भी पीछे छोड़ने लग जाए ये ओर बात है । साफ साफ शब्दों में गाली दे दो कौन रोकता है भाई ! आज के नेता जो ठहरे ।

भगवती प्रसाद गेहलोत
(दैनिक अवन्तिका)

आधुनिक युग का अन्नदाता...!

वो दरवाजे पर जब घंटी बजती,
चेहरे पर मुस्कान लिए आता है।
मौसम धूप हो चाहे तेज बारिश,
वह अपना फर्ज.खूब निभाता है।
उसके कभी ऱहाथऱ में खाना होता,
तो कभी दवा हैं या कभी सामान।
हमारी छोटी-छोटी सी जरूरत को,
देता है वह सभी को अपना मान।
उसके मोबाइल की घंटी बजते ही,
रास्ते पर फटाफट निकल पड़ता है।
शहर की हर गली से परिचित होता,
जैसे सबकी उम्मीद बनके चलता है।

संजय एम. तराणेकर
(दैनिक अवन्तिका)

धर्म-आस्था

बिना चेतना के मनुष्य खुद के अस्तित्व को समझ नहीं सकता

अध्यात्म में चेतना की चार अवस्थाएँ बताई गई हैं - जाग्रत (जागना), स्वप्न (सपने देखना), सुषुप्ति (गहरी नींद) और तुरीय (चौथी अवस्था)। इनमें तुरीय अवस्था सबसे उच्च और आध्यात्मिक मानी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुरीय अवस्था क्या है?

चेतना, एक आत्मा को मानव शरीर से जोड़ने का काम करता है। बिना चेतना के एक मनुष्य के लिए खुद के अस्तित्व को समझ पाना नामुमकिन है। अध्यात्म में भगवान शिव को चेतना का स्वरूप माना गया है, जो मनुष्य के आज्ञा चक्र में विराजमान हैं और शरीर में मौजूद प्राणशक्ति को मार्ग दिखाते हैं। अध्यात्म में चेतना को चार अवस्थाओं में बांटा गया है - जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति और तुरीय। पहली तीन अवस्थाओं का अनुभव हम रोजमर्रा के जीवन में करते हैं, लेकिन तुरीय अवस्था को सामान्य अनुभव से परे चेतना की ऐसी स्थिति माना गया है, जिसमें व्यक्ति स्वयं को केवल शरीर, मन या विचारों तक सीमित नहीं समझता। तुरीय अवस्था चेतना की चौथी और सर्वोच्च अवस्था है। यह न जाग्रत है, न स्वप्न है, न गहरी नींद है, बल्कि इन सबके पार जाकर आत्मा और ब्रह्म के अद्वैत अनुभव की स्थिति है। इसे प्राप्त करना ही योग और ध्यान का परम लक्ष्य माना गया है। तुरीय अवस्था की और क्या विशेषताएं हैं, चलिए जानते हैं...

तुरीय अवस्था का अर्थ

तुरीय संस्कृत के तुर्य शब्द से बना है, जिसका अर्थ है - चौथा। इसे चौथी अवस्था इसलिए कहा जाता

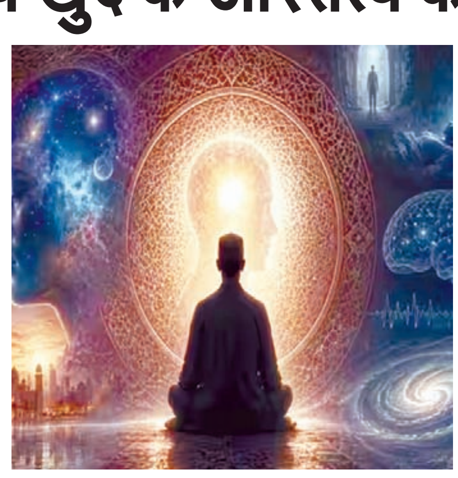

है क्योंकि यह जाग्रत, स्वप्न और गहरी नींद की तीन अवस्थाओं से अलग है। यह इन तीनों अवस्थाओं का साक्षी मानी जाती है। इसमें साधक शुद्ध आत्मा और ब्रह्म का अनुभव करता है। चेतना की जाग्रत अवस्था में हम संसार को अनुभव करते हैं, स्वप्न अवस्था में नींद में मन के अनुभवों को देखते हैं, सुषुप्ति अवस्था में गहरी नींद में होते हैं जिसमें सपनों के लिए भी जगह नहीं होती लेकिन तुरीय अवस्था इस सबमें सबसे गहरी हो जाती है। इसमें चेतना को अपने वास्तविक स्वरूप के रूप में जानने की बात कही जाती है। तुरीय अवस्था को विचारशून्य अवस्था नहीं कहा जा सकता, बल्कि इसे वह मौन अवस्था कहा जा सकता है, जिसमें साधक अपनी आत्मा को पहचानने का प्रयास करता है। इसीलिए वेदांत में तुरीय को आत्मज्ञान से जोड़कर देखा जाता है।

माण्डूक्य उपनिषद में तुरीय अवस्था को सर्वोच्च बताया गया है। यह अवस्था मोक्ष और आत्मज्ञान का द्वार है। इसमें साधक 'अहं' से मुक्त होकर शुद्ध चैतन्य का अनुभव करता है। जब कोई साधक तुरीय अवस्था को प्राप्त कर लेता है, तो इसमें मन और इंद्रियाँ शांत हो जाती हैं। साधक को आत्मा और परमात्मा में कोई भेद नहीं लगता। यह अवस्था ध्यान और साधना से प्राप्त होती है। इसमें समय और स्थान का बोध नहीं रहता। साधक केवल साक्षी बन जाता है, उसे न सुख का अनुभव होता है और न दुःख का।

तुरीय और ॐ का क्या संबंध है?

माण्डूक्य उपनिषद में 'ॐ 'और चेतना की चार अवस्थाओं का संबंध बताया गया है। इसमें ह्यॐह्न को तीन ध्वनि-खंडों में समझाया गया है -

अ – जाग्रत अवस्था
उ – स्वप्न अवस्था
म – सुषुप्ति अवस्था

और इन तीनों के बाद आने वाला मौन तुरीय से जोड़ा जाता है। जब ॐ का उच्चारण समाप्त होता है और ध्वनि मौन में विलीन हो जाती है, तो वह मौन किसी अलग ध्वनि का नाम नहीं है। उपनिषद उस मौन को उस चौथी अवस्था की ओर संकेत के रूप में प्रस्तुत करता है, जो तीनों अवस्थाओं से परे है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6600 से 6650 विशाल 6350 से 6425 डंकी चना 6000 से 6100मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7600 से 7800 महाराष्ट्र लाल 7900 से 8100 कर्नाटक 8000से 8200 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7000 से 7200 मूंग बेस्ट बोल्ड - 7400 से 7600 मीडियम बोल्ड 7300 से 7400 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9100 से 9200 उड़द गर्मी 8600 से 9000 ग्रेविटी क्लीन 9300 से 9700 हल्का उड़द 4000 से 6000काबुली डॉलर 7500 से 8900 काबुली रशियन 6200 से 6400 बिटकी 5890 से 6000सरसों निमाड़ी 8100 से 8200 रायडा 7100 से 7300 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 6700 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से 2700 लोकवन 2900 से3100 पूर्णा 2750 से 2800 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 2325 से 2350 चना दाल 7450 से 7550 मीडियम 7850 से 7950 बेस्ट 8050 से 8350 तुअर दाल 7000 से 7100 मीडियम 8000 से 8300 बेस्ट 9600 से 9900 एक्स्ट्रा बेस्ट 10700 से 10800 ब्रांडेड 12300 मूंग दाल 8700 से 8800 बेस्ट 8900 से 9000 मूंग मोगर 10700 से10800 बेस्ट 10900 से 11000

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 15000 से 18000 देशी 13000 से 14000 एवरेज 12000 से 15000. बारीक 9000 से 10000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,54,000 रवा- 1,53,800 चांदी- टंच- 2,38,500 पाट- 2,37,500।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

बाइक का संतुलन बिगड़ने से युवक घायल, डायल-112 ने पहुंचाया अस्पताल

शाजापुर। बाइक के अनियंत्रित होकर फिसलने से युवक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को मदाना जोड़ के पास बाइक का संतुलन बिगड़ने से संजू पिता शिवनारायण मीणा निवासी ग्राम काकरिया, जिला राजगढ़ घायल हो गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तत्काल डायल-112 को दी। सूचना मिलते ही डायल-112 के पायलट शाहरुख खान और स्टाफ आरक्षक 300 संदीप यादव मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल उपचार के लिए सारंगपुर शासकीय अस्पताल पहुंचाया।

सेप्टिक टैंक में मिला 8-9 माह का भ्रूण

खातेगांव। कांटाफोड़ थाना क्षेत्र के लोहारदा के वार्ड नंबर-3 में शुक्रवार को एक खाली प्लॉट के सेप्टिक टैंकनुमा गड्ढे में 8-9 माह का अज्ञात भ्रूण मिला। यह गड्ढा करीब 10 फीट गहरा था और पानी से भरा था। सूचना मिलने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के मुताबिक, यह शव/भ्रूण एक 12 वर्षीय बच्चे ने देखा। बच्चा गड्ढे में फूल फेंकने गया था, तभी उसकी नजर पानी में तैर रही संदिग्ध वस्तु पर पड़ी। बच्चे ने तुरंत इसकी सूचना मोहल्ले के लोगों को दी। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कैलाश चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव/भ्रूण को गड्ढे से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए कांटाफोड़ अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जांच में इसकी उम्र करीब 8-9 माह बताई जा रही है। हालांकि, यह भ्रूण है या जन्म के बाद का शव, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। पुलिस के अनुसार, यह मामला एक-दो दिन पुराना हो सकता है।

अंचल में परंपरागत तरीके से मनाया रक्षाबंधन

नलखेड़ा। भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। उन्होंने उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। उन्होंने उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन को लेकर सुबह से ही बाजारों में चहल-पहल देखने को मिली। बहनें अपने भाइयों के लिए रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां लेकर पहुंचीं। बाजार में बच्चों से लेकर युवाओं और महिलाओं के लिए विभिन्न डिजाइनों की राखियां उपलब्ध रहीं।

उत्साह से मनाया रक्षाबंधन, बहन ने भाई की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

आगर-मालवा। भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को नगर सहित अंचल में उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर चहल-पहल रही। बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर हमेशा उनकी रक्षा और साथ देने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन को लेकर बहनों में खासा उत्साह नजर आया। कई बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए मायके पहुंचीं, वहीं दूर रहने वाली बहनों ने भी यात्रा कर भाइयों के साथ पर्व मनाया। बहनों ने भाइयों का तिलक कर आरती उतारी और मिठाई खिलाकर राखी बांधी। इसके बाद भाइयों ने बहनों को उपहार और शगुन भेंट किए। पर्व को लेकर बाजार में भी दिनभर रौनक बनी रही। राखी, मिठाई, पूजा सामग्री और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दी।

शादी के दो दिन बाद दुल्हन 1.81 लाख लेकर फरार, मां, जीजा और बहन बनकर भरोसा जीता

तिलक से शादी तक अलग-अलग चरणों में रकम ली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास जिले में शादी के नाम पर लोगों को ठगने वाले लुटेरी दुल्हन गिरोह का बैंक नोट प्रेस पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह पहले युवक और उसके परिवार से शादी का रिश्ता तय करता था। इसके बाद तिलक की रस्म और शादी के अलग-अलग चरणों में रकम ली जाती थी। विवाह के बाद दुल्हन कुछ दिन ससुराल में रहने के बाद मौका पाकर रुपए लेकर फरार हो जाती थी। पुलिस ने मामले में दुल्हन समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में नंदिनी मेहरा उर्फ रोशनी, उसकी मां शकुनबाई, रवि जरिया और सोनिया केवट शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, चारों धार जिले के रहने वाले हैं। गिरोह के सदस्य युवक के परिवार के सामने अलग-अलग रिश्तेदार बनकर पेश होते थे और शादी के लिए भरोसा कायम करते थे।

पुलिस जांच के अनुसार, नंदिनी और उसके साथ आए कथित परिजनों ने देवास में युवक और उसके परिवार से मुलाकात की। रिश्ता तय होने के बाद तिलक की रस्म में 21 हजार रुपए दिए गए। इसके बाद अलग-अलग चरणों में 1 लाख, 10 हजार और 50 हजार रुपए लिए गए। इस तरह शादी के नाम पर कुल 1 लाख 81 हजार रुपए का लेन-देन हुआ। रकम लेने के बाद 3 जुलाई को धामनोद के एक मंदिर में विवाह कराया गया। शादी के बाद नंदिनी देवास स्थित ससुराल पहुंची और पति के साथ रहने लगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो नंदिनी के साथ शादी में शामिल हुए लोगों की भूमिका भी संदिग्ध मिली। जांच आगे बढ़ने पर सामने आया कि युवक के परिवार को भरोसे में लेने के लिए चारों आरोपी अलग-अलग रिश्तेदार बनकर आए थे।

पुलिस के मुताबिक, नंदिनी के साथ शकुनबाई ने मां, रवि जरिया ने जीजा और सोनिया केवट ने बहन बनकर युवक के परिवार से संपर्क किया था। शादी की पूरी प्रक्रिया में इन लोगों ने परिवार का भरोसा हासिल किया और अलग-अलग चरणों में रकम ली। पुलिस ने नंदिनी मेहरा उर्फ रोशनी, शकुनबाई, रवि जरिया और सोनिया केवट को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यहां से चारों आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह वर्धमान और डीएसपी अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में की गई। बैंक नोट प्रेस थाना प्रभारी निरीक्षक प्रीति कटारे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पहले कितनी शादियां कीं, पुलिस कर रही जांच

पुलिस अब यह पता लगा रही है कि गिरोह ने इससे पहले भी इसी तरह की कितनी शादियां कर लोगों से ठगी की है। पुलिस आरोपियों के संपर्कों और गिरोह में शामिल अन्य लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

दो दिन ससुराल में रही, फिर रात में गायब

नंदिनी करीब दो दिन तक ससुराल में रही। इसके बाद 7 अगस्त की रात पति के सोने के बाद घर से निकल गई। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद बैंक नोट प्रेस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

शाजापुर में सूने मकानों को निशाना बना रहे चोर, द्वारकापुरी में लगातार तीसरी वारदात

शाजापुर। शहर में त्योहार की खुशियों के बीच चोरों ने जमकर आतंक मचा रखा है। लोग घरों में ताला लगाकर रक्षाबंधन मनाने रिश्तेदारों के यहां गए, और पीछे से बेखौफ बदमाशों ने उनके सूने आशियानों को अपना निशाना बना लिया। कोतवाली थाना क्षेत्र की द्वारकापुरी कॉलोनी में पिछले तीन-चार दिनों के भीतर एक के बाद एक हुई तीन चोरियों ने पुलिस की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था और रात्रि गश्त के दावों की पोल खोलकर रख दी है। लगातार हो रही इन वारदातों से क्षेत्र के रहवासियों में दहशत है। ताजा मामला गुरुवार देर रात का है, जहां अज्ञात चोरों ने द्वारकापुरी कॉलोनी में किराए से रहने वाले दीपक के मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दीपक का परिवार भी रक्षाबंधन मनाने शहर से बाहर गया हुआ था। इसी कॉलोनी में जाट हाउस के आगे वाली गली में रहने वाले देवेंद्र मेवाड़ा के सूने मकान को भी चोरों ने अपना शिकार बनाया। देवेंद्र 25 अगस्त की शाम को शुजालपुर गए थे। 27 अगस्त की सुबह जब वे लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा और कुंडी कटी हुई मिली। घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने सोने की दो अंगूठियां, एक नथ, चांदी की बिछिया और पायल चुरा ली है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, इससे एक दिन पहले 26 अगस्त को इसी इलाके में विजय सोनी के सूने मकान से भी बदमाशों ने लगभग 20 से 22 हजार रुपए की नकदी पार कर दी थी।

अंतिम संस्कार में अयोध्या जा रहे परिवार की कार पलटी, 4 घायल

टायर फटने से हुई दुर्घटना, दो मासूम बच्चियां बाल-बाल बचीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर एकता होटल के समीप एक कार का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए, गनीमत रही कि दो मासूम बच्चियां सुरक्षित बच गईं। यह परिवार अपनी मां के निधन की खबर सुनकर गुजरात से अयोध्या लौट रहा था। प्राथमिक उपचार के बाद परिवार अपनी आगे की यात्रा पर निकल गया।

जानकारी के अनुसार, कृष्णा कुमार पांडे की माताजी का हाल ही में निधन हो गया था। इस दुखद घड़ी में कृष्णा पांडे अपने परिवार के पांच अन्य सदस्यों के साथ निजी कार से गुजरात के अंकलेश्वर से अपने पैतृक घर अयोध्या (उत्तर प्रदेश) जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच, शाजापुर जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर हाईवे पर उनकी कार का टायर अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की मदद से 1033 टोल एंबुलेंस को सूचना दी गई। इसके बाद सभी को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में कृष्णा पांडे, उनके भाई हरिराम पांडे, रामस्वरूप तिवारी और मनीषा पांडे को चोटें आई हैं। वहीं, कार में सवार दो छोटी बच्चियां, रिद्धि और सिद्धि चमत्कारिक रूप से पूरी तरह सुरक्षित हैं।

जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी की स्थिति खतरे से बाहर थी। मां के अंतिम संस्कार में जल्द पहुंचने की अनिवार्यता के चलते, परिवार ने अस्पताल में ज्यादा देर न रुकते हुए शाजापुर से ही एक अन्य निजी वाहन की व्यवस्था की और अयोध्या के लिए रवाना हो गए।

देवास में नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

2 लाख के अमानक डिस्पोजल ग्लास जब्त कर नष्ट किए, गोदाम संचालक पर 1 लाख का जुर्माना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

शहर में प्रतिबंधित और अमानक डिस्पोजल के खिलाफ नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। वार्ड क्रमांक 42 स्थित एक गोदाम से करीब 2 लाख रुपए कीमत के अमानक डिस्पोजल ग्लास जब्त किए गए। जांच में सामग्री प्रतिबंधित और अमानक पाए जाने के बाद निगम की टीम ने इन्हें जब्त कर विधिवत नष्ट कर दिया। वहीं गोदाम संचालक के खिलाफ 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

जांच के दौरान इन ग्लासों को अमानक और प्रतिबंधित पाए जाने के बाद निगम अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जब्त की गई सामग्री को नगर निगम परिसर लाया गया, जहां उसे नियमानुसार नष्ट कर दिया गया।

स्वच्छता अधिकारी रवि गोयनार ने बताया कि गोदाम से प्रतिबंधित और अमानक डिस्पोजल ग्लास मिलने पर संचालक के खिलाफ 1 लाख रुपए की चालानी कार्रवाई की गई है। जब्त की गई सामग्री को भी नियमानुसार नष्ट कर दिया गया है।

शहर में अमानक और प्रतिबंधित डिस्पोजल का इस्तेमाल पर्यावरण और स्वच्छता व्यवस्था के लिए चुनौती बना हुआ है। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद साफ है कि नियमों का उल्लंघन कर प्रतिबंधित डिस्पोजल का भंडारण या कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहले सील किया था गोदाम

नगर निगम की टीम ने कुछ दिन पहले ही संबंधित गोदाम को सील किया था। गुरुवार को गोदाम संचालक की मौजूदगी में सील खोली गई। अंदर जांच करने पर बड़ी मात्रा में डिस्पोजल ग्लास रखे मिले।

देवास में बाइक मोड़ने के विवाद में चाकू से हमला:सैलून कर्मचारी और छात्र घायल

देवास। देवास के चाणक्यपुरी क्षेत्र में बाइक मोड़ने को लेकर हुए विवाद में दो भाइयों पर चाकू से हमला किया गया। संदीप परमार और रोहित परमार नाम के ये दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चाकू के वार से संदीप और रोहित के पेट और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। संदीप परमार सैलून में काम करता है, जबकि उसका भाई रोहित छात्र है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात बाइक मोड़ने की बात पर आरोपियों से उनका विवाद शुरू हुआ था। यह मामूली विवाद देखते ही देखते बढ़ गया और आरोपियों ने दोनों भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रात करीब 9:30 बजे सीएसपी सुमित अग्रवाल जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल भाइयों और डॉक्टरों से घटना के संबंध में जानकारी ली। सीएसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में बाइक मोड़ने को लेकर विवाद की बात सामने आई है। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और हमला करने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सहकारिता अध्यक्ष के घर 15 लाख की चोरी, परिवार रक्षाबंधन पर गांव गया था

सूने मकान को बनाया निशाना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

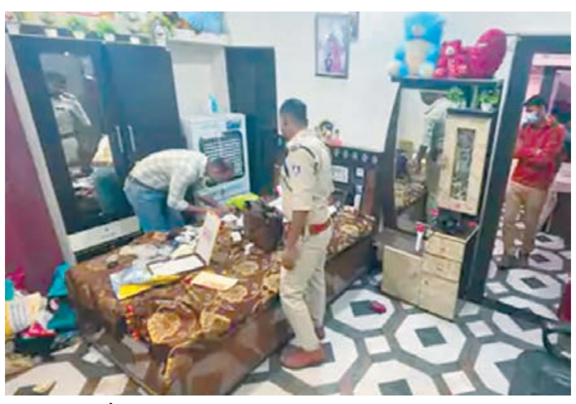

शाजापुर के आदर्श नवीन नगर में सहकारिता कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष लखन कुम्भकार के सूने घर से करीब 15 लाख रुपए की चोरी हो गई। चोरों ने रक्षाबंधन पर्व पर परिवार के गांव जाने का फायदा उठाया और घर के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। चोरी में 7 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात शामिल हैं।

लखन कुम्भकार ने बताया कि उनका परिवार 26 अगस्त को रक्षाबंधन मनाने ग्राम मदाना गया था। घर पर कोई मौजूद नहीं था। शनिवार को जब परिवार वापस लौटा, तो मकान के ताले टूटे हुए मिले और घर का सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद चोरी का पता चला।

पीड़ित कुम्भकार के अनुसार, उनके दो भांजों की नवंबर-दिसंबर में होने वाली शादियों की तैयारियों के लिए घर में लगभग 7 लाख रुपए नकद रखे थे। इसके अतिरिक्त, सोने-चांदी के जेवरात भी घर में मौजूद थे। नकदी और जेवरात की कुल कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई गई है।

सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वॉड, साइबर टीम और फिंगरप्रिंट टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

यह वारदात ऐसे समय में हुई है जब कोतवाली क्षेत्र की द्वारकापुरी कॉलोनी में 25 से 28 अगस्त के बीच तीन अन्य चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में परिवारों के घरों पर ताले लगाकर गांव जाने के दौरान लगातार हो रही इन चोरियों से पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने 1. पूजा जैन पति राजेश जैन जाति जैन, निवासी गांधी चौक बड़नगर, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र. कृषक ग्राम खरसौदखुर्द, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक 669/3/1/1/2 रकबा 0.20 हेक्टेयर भूमि ग्राम खरसौदखुर्द, तहसील बड़नगर जिला उज्जैन में स्थित है व 2. सीमा जैन पति सतीशचन्द्र जैन जाति जैन निवासी 364 महात्मा गांधी मार्ग गांधी चौक बडनगर, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र. कृषक ग्राम खरसौदखुर्द, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि सर्वे क्रमांक 669/3/1/2 रकबा 0.20 हेक्टेयर भूमि ग्राम खरसौदखुर्द, तहसील बड़नगर जिला उज्जैन में स्थित भूमि को कय करने का सौदा तय कर लिया होकर उन्हें बयाना राशि अदा कर दी है तथा उपरोक्त भूमि के विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। यदि उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी भी संस्था, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, पेढ़ी अथवा प्रायवेट व्यक्ति का कोई बोझ या ऋण बकाया हो या भूमि के संबंध में किसी भी न्यायालय या फोरम में कोई वाद-विवाद विचाराधीन हो अथवा भूमि में किसी भी अन्य व्यक्ति का कोई स्वत्व या हित निहित हो या भूमि के विकय होने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेजी प्रमाण के प्रत्यक्ष रूप से मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर मुझसे संपर्क कर लेवें। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के बाद सूचना मेरे पक्षकार द्वारा कृषि भूमि का शेष विक्रय मूल्य अदाकर उसके विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जाएगा। तत्पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित हो । दिनांक :- 28/08/2026

माधुरी सोनी एड्व्होकेट
कार्यालय रवि सोनी का ऑफीस, T13 नागेश्वरधाम कॉलोनी
बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.)
मो. 8871335849, 7898524515

In The Court Of Civil Judge Class-I, Tehsil Badnagar District Court, Ujjain Presiding Officer:

श्रीमती ऋचा गोयल बंसल

(आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000005/2026)

मंजु बाई------ आवेदक

Vs

सर्वसाधारण------अनावेदक

Process Id-/2026
पेशी दिनांकः 25/09/2026

प्रेषिती

(1) सर्वसाधारण पता- सर्वसाधारण
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजु बाई पति स्व. तोलाराम पिता नंदाजी निवासी ग्राम सतवासा, बड़नगर 420141/- संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 25 सितम्बर 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 25 सितम्बर 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 08 अगस्त 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(श्रीमती ऋचा गोयल बंसल)
वरिष्ठ खण्ड बड़नगर, जिला उज्जैन (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

उत्साह से मनाया रक्षाबंधन पर्व, बाजार में रही रौनक

कानड़। भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को नगर में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। घर-घर बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख-समृद्धि और दीघार्यु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपना स्नेह जताया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर नगर के बाजारों में भी विशेष रौनक रही। दो दिनों से राखी, मिठाई, फल और अन्य सामग्री की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती रही। शुक्रवार को साप्ताहिक हाट बाजार होने से बाजार में अधिक चहल-पहल देखने को मिली। मिठाई एवं राखी की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही। पर्व के चलते नगर के प्रमुख मार्गों पर दिनभर वाहनों की आवाजाही अधिक रही। इससे कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ। लोगों ने श्रद्धा और प्रेम के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया।

सावधान जाहिर सूचना

एतद् द्वारा हर आम व खास तथा सर्व साधारण को मेरी, पक्षकार फर्म मेसर्स सोनी क्लाथ सेन्टर, 183/1, देवास गेट उज्जैन द्वार प्रोप्रायटर रितेश पिता रमणलाल सोनी निवासी रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, देवास गेट उज्जैन की और से मुझे अधिकृत किये जाने व प्रदत्त माहिती अनुसार सूचित किया जाता है कि, फर्म मेसर्स रामप्रसाद गजानन्द ट्रेडर्स, 26 चिमनगंज मंडी उज्जैन के प्रोप्रायटर रामप्रसाद पिता गजानन्द पाटीदार द्वारा मेरी पक्षकार फर्म से कर्ज अनुबंध दिनांक 17-09-2025 से कर्ज राशी रुपये 20,00,000/- अक्षरी रुपये बीस लाख जर्ये बैंक ट्रांसफर 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष प्रतिसेकडा प्रतिमाह की दर से ब्याज प्रत्येक 06 माह की अवधि में जर्ये चैक / बैंक ट्रांसफर भुगतान करने की शर्त पर मूलधन दिनांक 17-09-2027 तक की अवधि में भुगतान करने की शर्त पर उधार प्राप्त किये थे तथा मूलधन भुगतान हेतु दिनांक 17-09-2027 के 10-10 लाख रुपये दो पोस्ट डेटेड चैक भी जारी किये थे। किन्तु मूल ऋणी फर्म के प्रोप्रायटर श्री रामप्रसाद पाटीदार की आकस्मिक मृत्यु दिनांक 10-06-2026 को हो जाने से उनके वैध वारीसान एवं उत्तराधिकारीगण 01 श्रीमती सुमित्रा पति स्व. श्री रामप्रसाद पाटीदार, 02 रविन्द्र पिता स्व. श्री रामप्रसाद पाटीदार है और उनके द्वारा मृतक श्री रामप्रसाद पाटीदार की समस्त चल, अचल सम्पत्ति मकान एवं ग्राम विजयागंज मंडी तहसील व जिला देवास में स्थित मकान एवं कृषि भूमि प्राप्त की है और वे मेरी पक्षकार फर्म की राशि भुगतान हेतु उत्तरदायी है। मेरी पक्षकार फर्म की और से उन्हे बकाया ऋण एवं अनुबंध से उत्पन्न संविदात्मक दावे के संदर्भ में उन्हे उत्तराधिकार में प्राप्त चल, अचल सम्पत्ति को अन्यत्र हस्तांतरित, भारित आदि न किये जाने बाबत जर्ये अभिभाषक स्पीड पोस्ट एवं साधारण डाक से विधिक सूचना पत्र भी दिनांक 30/31-07-2026 को प्रेषित किया था, किन्तु उन्होंने मेरी पक्षकार फर्म को राशि भुगतान कर सूचना पत्र का उत्तर नहीं दिया है। इस कारण सर्व साधारण को सावधान किया जाता है कि, मृतक श्री रामप्रसाद पाटीदार के वैध वारीसान श्रीमती सुमित्रा पाटीदार एवं रविन्द्र पाटीदार से उन्हे उत्ताधिकार में प्राप्त उपरोक्त चल, अचल सम्पत्ति के संबंध में विक्रय, क्रय, दान, बंधक, पट्टा, हस्तांतरण अथवा किसी अन्य प्रकार का अधिकार प्राप्त नहीं करे। यदि कोई व्यक्ति उक्त जाहिर सूचना की जानकारी होने के बावजुद भी उक्त सम्पत्ति के संबंध में ऐसा कोई संव्यवहार करता है, जिससे मेरी पक्षकार फर्म के वैध संविदात्मक अधिकार प्रभावित होते है, तो मेरी पक्षकार फर्म को प्रचलित विधि के अनुसार ऐसे संव्यवहार के विरुद्ध उपलब्ध वैधानिक उपचार अपनाने तथा अपने अधिकारो की रक्षा हेतु उचित कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। यह जाहिर सूचना केवल मेरी पक्षकार फर्म के विद्धमान संविदात्मक दावे के संबंध में सर्व साधारण को पूर्व सूचना एवं सावधान करने के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है। सूचित हो।

नरेन्द्रसिंह सोलंकी, एडवोकेट एवं नोटरी
34/3/1 पानदरीबा, उज्जैन
मो.नं 9425984802, 7999853829

जेल में बंद भाइयों को राखी बाँधने पहुँची बहनें

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

भाई-बहन के अटूट प्रेम, त्याग और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को शहर सहित पूरे अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों के भाल पर कुमकुम का तिलक सजाकर कलाई पर स्नेह का रक्षा सूत्र बांधा और उनका मुंह मीठा कराया। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को आकर्षक उपहार भेंट कर उम्र भर उनकी सुरक्षा का वचन दिया। त्योहार के चलते शहर के बाजारों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर दिनभर भारी रौनक और भीड़भाड़ का माहौल रहा।

भाइयों का मुंह मीठा कराने के लिए बहनों ने जमकर मिठाइयां खरीदीं, जिससे मिठाई की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों का तांता लगा रहा। राखी और मिठाई के अलावा कपड़ा और मोबाइल की दुकानों पर भी ग्राहकों की भारी भीड़ नजर आई। बहनों द्वारा पूजन के लिए नारियल, कुमकुम और अन्य सामग्री की खरीदारी का यह सिलसिला देर शाम तक अनवरत चलता रहा।

जेल में बंद भाइयों को बांधी राखी

रक्षाबंधन का एक भावुक नजारा स्थानीय जेल में भी देखने को मिला। बंदी भाइयों की सूनी कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनें लंबी दूरी तय कर शाजापुर जेल पहुंचीं। सुबह से ही जेल के बाहर बहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। जेल परिसर में पहुंची बहनों ने भाइयों के माथे पर कुमकुम का तिलक लगाकर राखी बांधी और उनकी जल्द रिहाई की प्रार्थना की। इस दौरान उप जेल अधीक्षक सुनील मंडलेकर भी मौजूद रहे।

मुकेश बांठिया प्रदेश संरक्षक मनोनीक

महिदपुर। महिदपुर त्रिस्तुतिक जैन श्री संघ के पूर्व अध्यक्ष मुकेश बांठिया को श्री आदिनाथ राजेंद्र जैन श्वेतांबर पेढ़ी ट्रस्ट, मोहनखेड़ा तीर्थ के तत्वावधान में सौधर्म वृहद् तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्री संघ-मध्यप्रदेश इकाई का प्रदेश संरक्षक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति समस्त ट्रस्ट मंडल एवं प्रदेश अध्यक्ष संजय मोदी द्वारा की गई। मुकेश बांठिया की नियुक्ति से समाजजनों में हर्ष का वातावरण है। नियुक्ति के उपलक्ष्य में समाजजनों द्वारा शुक्रवार सुबह साध्वीजी श्री तत्वलता श्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 की निश्रा में आयोजित चातुर्मासिक प्रवचन कार्यक्रम के दौरान बांठिया को सार्वजनिक रूप से शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि बांठिया अपने अनुभव एवं सेवाभाव से संगठन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

बडौद। शुक्रवार को रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया क्योंकि इस बार रक्षा बंधन के पर्व पर बद्र का साया नहीं होने से सुबह से बहने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के लिए आतुर रही और खुशी खुशी अपने भाइयों की कलाई पर शुभ मुहूर्त में रक्षा सूत्रबादे और भाईयो की लंबी उम्र की कामनाएं की! इसमें नन्हे बच्चे भी पीछे नहीं रहे!

रक्षाबंधन पर्व पर नगर में बच्चों में उत्साह बना परिवार के साथ पर्व मनाया

खाचरौद। नगर में रक्षाबंधन का त्यौहार परिवार के साथ हंसी खुशी से मनाया गया। राखी का त्यौहार के लिए बहने एक दिवस पूर्व ही अपने घर आई। तो परिवार का माहौल ओर आसपास घरों में हंसी ठहाके की आवाज से महक उठा। भाई बहन की नोक झोक ओर तकरार के बाद मीठी मीठी यादों को सहजा गया। बहन ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर कर खुशमय जीवन का आशीर्वाद दिया गया। भाई ने भी अपनी बहन को गिफ्ट दिया गया। नगर में शाम को सभी घरों में परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व हर्षौल्लास से मनाया गया।

पोरवाल समाज की नवीन कार्यकारिणी का गठन

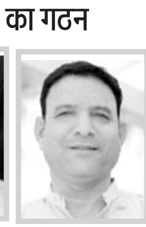

महिदपुर रोड। नगर जांगड़ा पंच पोरवाल समाज की नवीन कार्यकारिणी का गठन नव निर्वाचित अध्यक्ष बालकृष्ण पोरवाल (बिजली वाले) की उपस्थिति तथा वरिष्ठ समाज जनों के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान तेजमल पोरवाल तथा प्रहलाद पोरवाल को उपाध्यक्ष ,मधुसूदन फरक्या को कोषाध्यक्ष ,अशोक पोरवाल सचिव, सुनील पोरवाल को मीडिया प्रभारी बनाया गया निवृत मान अध्यक्ष शिवनारायण पोरवाल (बालाजी) कोषाध्यक्ष कमलेश चौधरी तथा समाज के संविधान अनुसार अपना कार्यकाल पूरा कर चुके अन्य पदाधिकारी इस दौरान उपस्थित रहे सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए अपनी और से पूरा सहयोग करने की बात कही

चार्टर्ड बसों में बहिनों ने की नि:शुल्क बस यात्रा

महिदपुर रोड। भोपाल से उज्जैन की ओर आने वाली चार्टर्ड बसों के स्टाफ द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की पालना में गुरुवार को चार्टर्ड बसों में यात्रा कर अपने मायके जाने वाली महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा करवा कर उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाया गया । जानकारी देते हुए नगर के उपाध्याय तथा पांडे परिवार की बेटियों मेघा व्यास व उर्मिला पुरोहित (गुड्डी) ने बताया वे अपने ससुराल सीहोर से उज्जैन जाने आने के लिये चार्टर्ड बस में सवार हुई बस के परिचालक ने दोनों से बस का किराया लेने से इंकार करते हुए बताया वरिष्ठ अधिका रियों के निर्देश है कि आज चार्टर्ड बसों में यात्रा करने वाली सभी महिलाओं को उनके गंतव्य स्थल तक बिना किराया लिये पहुंचाया ।

मौसम बदलते ही वायरल फीवर का प्रकोप, सिविल अस्पताल में 400 मरीज पहुंचे

बामनियाखेड़ी में घर-घर बीमार स्वास्थ्य विभाग ने 45 लोगों के लिए सैंपल

पानी की टंकी की भी जांच

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सुसनेर

मौसम में अचानक आए बदलाव के साथ क्षेत्र में वायरल फीवर का प्रकोप बढ़ता नजर आ रहा है। सुसनेर के सिविल अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। 27 अगस्त को अस्पताल की ओपीडी में करीब 400 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें बड़ी संख्या सर्दी, खांसी, बुखार और शरीर में दर्द जैसी शिकायतों से परेशान मरीजों की रही। चिकित्सकों के अनुसार मौसम में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण के मामले बढ़ना आम है, लेकिन इस बार मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

क्षेत्र के समीप ग्राम बामनियाखेड़ी में स्थिति और अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। यहां कई घरों में लोग बीमार हैं। ग्रामीणों में बुखार सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम शुक्रवार को गांव पहुंची और करीब 45 लोगों के सैंपल लिए। पूर्व में कराई गई जांच में 10 से अधिक लोगों की रिपोर्ट में टाइफाइड के लक्षण सामने आने की बात भी सामने आई है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने गांव में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पानी की टंकी की भी जांच की, ताकि बीमारी फैलने के संभावित कारणों का पता लगाया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ग्रामीणों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई और बीमार लोगों की जांच की गई। विभाग द्वारा लिए गए सैंपलों की जांच के बाद ही बीमारी की वास्तविक स्थिति और संक्रमण के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गांव में जांच के दौरान प्रभारी मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी अखिलेश कुमार बागी, मुकेश सूर्यवंशी, भरत भावसार, सीएओ दीपिका पाटीदार सहित आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सैंपल लेने के साथ ही पानी की जांच भी की गई है। अब ग्रामीणों के सैंपलों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बामनियाखेड़ी में बीमारी का मुख्य कारण वायरल संक्रमण है या इसके पीछे दूषित पानी अथवा अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं।

फिलहाल क्षेत्र में बढ़ते बुखार, सर्दी-खांसी और वायरल संक्रमण के मामलों को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी लोगों से साफ-सफाई रखने, स्वच्छ पानी का उपयोग करने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की जा रही है।

लगातार बढ़ रही ओपीडी में मरीजों की संख्या

सिविल अस्पताल की ओपीडी के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले कुछ दिनों में मरीजों की संख्या में उतार-चढ़ाव के साथ वृद्धि दिखाई दे रही है। 21 अगस्त को 350 से अधिक मरीजों ने उपचार कराया था। 22 अगस्त को भी मरीजों की संख्या 350 से अधिक रही। 23 और 24 अगस्त को अवकाश के कारण ओपीडी बंद रही। 25 अगस्त को 163 मरीज अस्पताल पहुंचे, जबकि 27 अगस्त को यह संख्या बढ़कर करीब 400 तक पहुंच गई। इनमें सबसे अधिक मरीज बुखार और सर्दी-खांसी की शिकायत लेकर पहुंचे।

स्वास्थ्यकर्मी भी बीमारी की चपेट में

वायरल संक्रमण का असर केवल आम लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के भी बीमार होने की जानकारी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि कई स्वास्थ्यकर्मी बीमारी के बावजूद अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं और ड्यूटी के साथ-साथ उपचार भी करा रहे हैं। कुछ स्वास्थ्यकर्मी उपचार के दौरान बोतल चढ़वाकर भी अपनी जिम्मेदारी निभाते नजर आ रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के सामने मरीजों के बढ़ते दबाव के साथ अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य को लेकर भी चुनौती बनी हुई है।

सरस्वती शिशु मंदिर की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

महिदपुर रोड। सरस्वती शिशु मंदिरों की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल मिनावदा में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्राम भारती जावरा के उपाध्यक्ष छोगालाल पाटीदार, तथा ठा. दशरथ सिंह चौहान, दशरथ पाटीदार धर्मेंद्रसिंह सिसौदिया आदि ने संयुक्त रूप से किया समापन सत्र में ग्राम भारती अध्यक्ष हेमेन्द्रराज चौरड़िया मांगीलाल पाटीदार दीपिका सिंह डोडिया रामनिवास पाटीदार एवं लाल सिंह सोलंकी अतिथि के रूप में मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य देवीसिंह राठौर तथा प्रधानाचार्य कालूराम डोडिया ने किया अतिथियों ने गोला पूजन कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में जिले के 22 विद्यालयों से चयनित 280 स्कूली छात्र-छात्रा शामिल हुए जिन्होंने दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, कबड्डी, खो-खो सहित विभिन्न शारीरिक प्रतियोगिता चित्रकला, रंगोली, एकात्मता स्तोत्र एवं वंदे मातरम् जैसी बौद्धिक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये जाकर उनका सम्मान किया गया। प्रतियोगिता के दौरान स्कूली बच्चों ने खेल भावना, अनुशासन एवं उत्साह का परिचय दिया।

ब्राह्मण समाज जनों ने मनाया श्रावणी कर्म - मंत्रोच्चार के बीच धरण की गई जनेऊ बदली

महिदपुर रोड। शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व पर नगर के ब्राह्मण समाज जनों ने गोगापुर गांव के तालाब किनारे स्थित सरोवर पर श्रावणी कर्म कर नई जनेऊ का धारण किया पंडित पुरुषोत्तम भट्ट के सानिध्य में श्रावणी कर्म के दौरान के पंडित संतोष शर्मा, पंडित ओमप्रकाश शर्मा,पंडित हरिओम शर्मा, पंडित मिथिलेश शर्मा पंडित अरविंद उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के समाज जन उपस्थित रहे।

आचार्य श्रीमद विजय जयानंद सूरी जी के संयम अर्ध शताब्दी दिवस पर

सामूहिक सामयिक, आयंबिल के साथ गुणा-नुवाद सभा एवं जीव दया कार्यक्रम सम्पन्न

दैनिक अवन्तिका ▶▶ महिदपुर

विश्व पूज्य गुरुदेव श्रीमद विजय राजेंद्र सूरी महाराजा जन्म द्विशताब्दी समर्पित मंगल वरदाय चातुर्मास में पुण्य सम्राट गुरुदेव जयंतसेन सुरीश्वर जी म.सा. की दिव्य कृपा प्राप्त पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देवेश हृदय सम्राट नित्यसेन सूरीश्वरजी की आज्ञानुवर्तिनी चातुर्मास विराजित साध्वी श्री तत्वलता श्रीजी महाराज साहब आदि थाणा 4 की शुभ निश्रा में त्रिस्तुतिक परंपरा के प्रभावी पट्टधर आचार्य देवेश चरित्र शिरोमणि, कठोर क्रिया पालक श्रीमद विजय जयानंद सुरीश्वर जी गुरुदेव की संयम अर्धशताब्दी उत्सव स्थानीय खतरगच्छ आराधना भवन में सैकड़ों श्री संघ सदस्यों की उपस्थिति में मनाया गया।

पूज्य गुरुदेव की 50 वीं दीक्षा दिवस पर सामूहिक सामयिक के साथ गुणानुवाद सभा का आयोजन त्रिस्तुतिक श्री संघ द्वारा किया गया। गुणानुवाद सभा की शुरूआत परम गुरुभक्त आकाश मेहता द्वारा गुरुदेव के जीवन वृत्त पर एक आलेख प्रस्तुत किया, सभा में तपागच्छ संघ के सचिव ललित गार्डी नासकावाला, आदिनाथ किला ट्रस्टी, लेखक चिंतक जैनेन्द्र खेमसरा, खतरगच्छ महिला मंडल से कुशल बेन धारीवाल, स्थानकवासी श्री संघ के पूर्व अध्यक्ष धर्मदास संघ के राजकुमारजी सकलेचा, त्रिस्तुतिक महिला मंडल की संगीता मोदी, श्वेता बांठिया, सपना छजलानी आदि के साथ परम पूज्य साध्वी तत्वलता श्री जी महाराज साहब ने गुरुदेव जयानंद सूरी जी के जीवन, दीक्षा वृत्त पर विभिन्न बिंदुओं के साथ उनके त्याग, संयम ,क्रिया धर्मपालन की महिमा की व्याख्या की।

गुणानुवाद सभा का समापन त्रिसुतिक श्रीसंघ अध्यक्ष आशुतोष छजलानी द्वारा गुरुदेव के प्रेरक प्रसंग की व्याख्या करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। गुणानुवाद धर्मसभा का संचालन त्रिस्तुतिक संघ नवनियुक्त प्रदेश संरक्षक एवं स्थानीय संघ पूर्व अध्यक्ष मुकेश बांठिया ने किया। संयम दिवस पर सामूहिक आयंबिल श्रीमति शीला शरद भटेवरा चातुर्मास लाभार्थीत आयंबिल खाता सेठ सेतानमल बुरड़ भवन में संपन्न हुए। दोपहर पश्चात जीवदया के लिए स्थानीय गोपाल गोशाला में गुरुदेव राजेन्द्र जयानंद भक्त मंडल के सदस्यों द्वारा जीव दया सेवा की गई जिसमें आशीष जम्बू चोपड़ा जीवदया मित्र मंडल ने व्यवस्था सहयोग प्रदान किया। सभी कार्यक्रम में सहयोग गुरु राजेंद्र जयानंद मित्र मंडल का रहा। प्रभावना का लाभ गुरु भक्त मंडल एवं वर्षीतप आराधक सीमा राजकुमार सकलेचा द्वारा लिया गया।

दो करोड की ठगी का मामला सुलझाने में थाना प्रभारी को एसपी ने किया सम्मानित

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

पैसे दोगुना करने का लालच देकर 2 करोड रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पिछले दिनों जिला पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस पूरे मामले में सारंगपुर थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी ने अहम भूमिका निभाते हुए कठिन और पेचीदा जांच को अंजाम तक पहुंचाया, जिसके लिए एसपी अमित तोलानी ने उन्हें विशेष रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। दरअसल जिले में ठगी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एक व्यापक जांच अभियान शुरू किया था। थाना प्रभारी राहुल रघुवंशी और उनकी टीम ने भोपाल, मुंबई और नासिक में लगातार 15 दिनों तक डेरा डालकर करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। शातिर अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने 10 राज्यों में लगभग 30 हजार किलोमीटर का सफर तय किया। पुलिस की कडी मेहनत के दम पर गिरोह के शनि उर्फ शमी मंडल को भोपाल के जहांगीराबाद से थाना प्रभारी रघुवंशी ने दबोचा और पूछताछ के बाद मुस्तकीम मंडल सहित कुल 14 आरोपितों को दबोचने में सफलता मिली। कार्रवाई के दौरान सारंगपुर थाना प्रभारी रघुवंशी ने त्वरित कदम उठाते हुए आरोपितों के कब्जे से 30 लाख रुपये नगद और अपराध में इस्तेमाल की गई एक स्कॉर्पियो गाडी जब्त की। वहीं दूसरे अपराधियों से मिलाकर कुल 1 करोड रुपए नगदी जप्त की। उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण मामले में पुलिस ने समूचे गिरोह के खिलाफ की गई इस बडी कार्रवाई में कुल मिलाकर 2 करोड 92 हजार 91 हजार रुपये का माल व नगदी बरामद की है।

गुरु माता भगवती देवी शर्मा के जन्म के एक सौ वर्ष पूरे

बड़नगर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज तीर्थ हरिद्वार के मार्गदर्शन में अखंड दीप शताब्दी वर्ष एवं वंदनिया गुरु माता भगवती देवी शर्मा के जन्म के एक सौ वर्ष 2026 में पूरे होने पर विभिन्न प्रकल्पों में कई कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं जिसमें पांच/नौ कुंडीय गायत्री यज्ञ, प्रज्ञा मंडलों का गठन नवरात्रि/मंत्र लेखन साधना, शांति कुंज में नियमित चलने वाले साधना प्रशिक्षण सत्र में भागीदारी भा. सं. ज्ञा. प. आयोजन, अखंड ज्योति, युग निर्माण पत्रिका सदस्य स्वास्थ्य आंदोलन स्वावलंबन आंदोलन, महिला जागृति अभियान, आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी, श्रीराम ग्राम तीर्थ स्थापना युवा जोड़ो अभियान व्यसन मुक्ति- कुरीति उन्मूलन आंदोलन, पर्यावरण संरक्षण आंदोलन(स्वछता, वृक्षारोपण), ज्ञान घट, अन्न घट की स्थापना, आदि कार्यक्रमों में गायत्री परिजनों की भागीदारी पर चर्चा के लिए गायत्री शक्ति पीठ उज्जैन से जिला समन्वयक सदस्यों की टोली द्वारा मार्ग दर्शन दिया गया । गायत्री परिजनों द्वारा दिए गए सकंल्पों को दिसम्बर 2026 तक पूर्ण करने का बीड़ा उठाया है। उक्त जानकारी गायत्री परिवार के सुभाष गुप्ते द्वारा दी गई।

क्षिप्रा नदी में डूबने से 22 वर्षीय युवक की मौत

रेस्क्यू कर शव बाहर निकाला

दैनिक अवन्तिका ▶▶ महिदपुर

क्षिप्रा नदी में डूबने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर डीआरसी महिदपुर की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक के शव को नदी से बाहर निकाला। शव को शासकीय अस्पताल महिदपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक ओमप्रकाश पिता दशरथ मकवाना (22), निवासी ग्राम गुराडिया सांगा, थाना उन्हेल बुधवार शाम करीब 6 बजे अपने घर से ससुराल ग्राम कानाखेड़ी, महिदपुर रोड गया था। वहां विवाद होने के बाद वह कहीं चला गया। परिजनों ने रात में महिदपुर रोड क्षेत्र में उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस द्वारा मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने पर ओमप्रकाश की लोकेशन रुद्रखेड़ा के आसपास मिली। परिजन तलाश करते हुए दोपहर करीब 2:30 बजे महिदपुर स्थित क्षिप्रा नदी की छोटी पुलिया के पास पहुंचे। यहां नदी किनारे ओमप्रकाश की मोटरसाइकिल, मोबाइल और चप्पलें पड़ी मिलीं।

इसके बाद नदी में तलाश की गई और लोगों की मदद से ओमप्रकाश का शव बाहर निकाला गया। डीआरसी महिदपुर की टीम ने रेस्क्यू कर शव को अस्पताल पहुंचाया।

बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, सरकार से राहत की मांग

दैनिक अवन्तिका ▶▶ जीरापुर

देश एवं प्रदेश में लगातार बढ़ रही महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जीरापुर द्वारा, 27 अगस्त को तहसीलदार जीरापुर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आमजन को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाने के लिए सरकार से ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सत्यनारायण सर्राफ के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि खाद्य सामग्री, पेट्रोल-डीजल, घरेलू गैस सिलेंडर और बिजली की बढ़ती कीमतों का सीधा असर गरीब, किसान, मजदूर एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। महंगाई के कारण परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ गया है और लोगों को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण करने, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत देने तथा घरेलू गैस सिलेंडर के दाम कम करने की मांग की गई।

ज्ञापन में केंद्र एवं राज्य सरकार से महंगाई पर नियंत्रण के लिए तत्काल ठोस नीति बनाने और आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तरुण चौबे ,राजाराम पाटीदार आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे

नपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को विकास हेतु मांग पत्र सौंपा

खाचरौद। धार्मिक कार्यक्रम में खाचरौद पधारे प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द भरावा द्वारा नगर के विकास हेतु विभिन्न मांगों का मांग पत्र सौंपा। उक्त जानकारी देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष गोविन्द भरावा ने बताया कि 28 अगस्त को नगर में पधारे मुख्यमंत्री मोहन यादव को नगर विकास हेतु विभिन्न योजनाओं को स्वीकृत करने हेतु 20 करोड़ की राशि के मांग पत्र सौपे। नगर के अतिप्राचीन एवं जन जन की आस्था के केंद्र श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर उज्जैन की तर्ज पर श्री नीलकंठ लोक का निर्माण हेतु राशि रुपए 5 करोड़। नगर के मुख्य मार्गों रेलवे स्टेशन से पुराना बस स्टैंड, रतलाम रोड़ से खारी मीठी बावड़ी, नए बस स्टेण्ड से नागदा रोड़ बायपास, बड़नगर रोड़ से निजानंद धाम आश्रम चिरोला फंटा तक डिवाइडर निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण हेतु राशि रुपए 15 करोड़। भरावा ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आश्वस्त किया है कि नगर विकास में हर संभव सहायता प्रदान की जावेगी।

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा पर श्रावणी उपाकर्म

हेमाद्रि संकल्प के साथ ऋषिपूजन, यज्ञोपवीत पूजन एवं हवन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर।

श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के पावन अवसर पर सारंगपुर स्थित कपिल मुनि की तपोभूमि एवं कालीसिंध नदी के तट पर श्रावणी उपाकर्म का धार्मिक आयोजन श्रद्धा और वैदिक परंपराओं के साथ संपन्ना हुआ। जिसमें मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल ने कपिलेश्वर तीर्थधाम पहुंचकर माँ कालीसिंध के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई तथा विधि-विधान से श्रावणी उपाकर्म संपन्ना किया।

मंत्री डॉ. टेटवाल ने भगवान श्री कपिलेश्वर महादेव की पूजन-अर्चना कर हवन में आहुति दी और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रावणी उपाकर्म प्रत्येक सनातनी के लिए महत्वपूर्ण है। यह केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संस्कार और सदाचरण का संकल्प लेने का पर्व है।

मंत्री डॉ. टेटवाल ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म के तीन प्रमुख पक्ष प्रायश्चित संकल्प, संस्कार और स्वाध्याय हैं। वैदिक परंपरा में श्रावणी पर्व को शरीर, मन और इंद्रियों की पवित्रता से जुडा पुण्य पर्व माना गया है। इस अवसर पर यज्ञोपवीत पूजन एवं उपनयन संस्कार का भी विधान है। इसके माध्यम से द्विजत्व के संकल्प का नवीनीकरण किया जाता है। मंत्री डॉ गौतम टेटवाल ने कहा कि परंपरागत रूप से तीर्थ अवगाहन, दशस्नान, हेमाद्रि संकल्प, तर्पण, ऋषिपूजन एवं यज्ञोपवीत पूजन जैसे कर्म किए जाते हैं। मान्यता है कि इन धार्मिक अनुष्ठानों से आत्मशुद्धि होती है और पितरों के तर्पण से उन्हें तृप्ति प्राप्त होती है।

श्रावणी पर्व हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और ऋषि-मुनियों की ज्ञान परंपरा से जोडता है। कपिलेश्वर तीर्थधाम कालीसिंध तट पर पंडित पवन पारीक, पंडित भूपेंद्र जोशी, पंडित कैलाश शर्मा एवं पंडित बालकृष्ण शर्मा के सानिध्य में हेमाद्रि स्नान एवं संकल्प कराया गया। स्नान के पश्चात ऋषिपूजन, सूर्योपस्थान एवं यज्ञोपवीत पूजन के साथ विधि-विधानपूर्वक हवन संपन्ना हुआ। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज अध्यक्ष आशुतोष वेद, पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा सहित बडी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कालीसिंध तट पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया।

सदाचार और संयम का लिया संकल्प

मंत्री ने कहा कि श्रावणी उपाकर्म व्यक्ति को अपने आचरण का आत्मावलोकन करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर पाप-निवारण के लिए पातक, उपपातक एवं महापातक कर्मों से बचने, परद्रव्य का अपहरण नहीं करने, परनिंदा से दूर रहने, आहार-विहार में संयम रखने, हिंसा से बचने, इंद्रियों पर नियंत्रण रखने तथा सदाचरण करने का संकल्प लिया जाता है। सनातन संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारित करने और समाज को सन्मार्ग की ओर ले जाने का माध्यम हैं।

बच्चों को न लगने दें मोबाइल की लत, पैरेंट्स हो जाएं सतर्क

स्कूल का मानना है कि फोन से बच्चे भटक जाते हैं, और बिना फोन के बच्चे 'असली बचपन' जीते हैं। यहां मशीनी सीख के बजाय इंसानी सोच, क्रिएटिविटी और विजन डवलप करने पर जोर दिया जाता है।

क्या बच्चों को हर समय एक्टिविटीज में बिजी रखना सही है?

आजकल पैरेंट्स बच्चों की एजुकेशन और गतिविधियों को लेकर बहुत ही अलर्ट हो गए हैं। वे चाहते हैं कि बच्चा कुछ न कुछ सीखता रहे, कभी बच्चों को ट्यूशन भेजना, कभी डांस क्लास, कभी सपोर्ट्स में तो कभी आर्ट और अगर बच्चा कुछ समय के लिए फ्री है, तो टीवी या मोबाइल देखने लगता है। पैरेंट्स को लगता है कि बच्चे को खाली नहीं बिठाना चाहिए क्योंकि इससे उनका समय बर्बाद होता है। लेकिन क्या सच में सारा दिन बच्चे को बिजी रखना उनके मेंटल हेल्थ के लिए अच्छा है?

जब बच्चा बिना किसी प्रेशर के खेलता है, अपनी मनपसंद ड्रॉइंग बनाता है, इधर-उधर देखता है या बस आराम करता है, तो असल में उसका दिमाग काम कर रहा होता है। वह दिन भर में सीखी हुई चीजों को जोड़ता है, समझता है और अंदर से मजबूत बनाता है। बच्चों के दिमाग को जानकारी को समझने के लिए खाली समय देना बहुत जरूरी है।

गूगल हेड ऑफिस से 3 किमी दूरी पर चल फेमस वाल्डोर्फ स्कूल में फोन पूरी तरह से बैन है। इस स्कूल की सालाना फीस लगभग 40 लाख रुपये है, जहां सिलिकॉन वैली के शीर्ष टेक एग्जीक्यूटिव्स और एआई रिर्सचर अपने बच्चों को पढ़ने भेजते हैं।

स्कूल का मानना है कि फोन से बच्चे भटक जाते हैं, और बिना फोन के बच्चे 'असली बचपन' जीते हैं। यहां मशीनी सीख के बजाय इंसानी सोच, क्रिएटिविटी और विजन डवलप करने पर जोर दिया जाता है।

स्क्रीन को लत बनाने वाले अपने घरों में सख्त

एक तरफ टेक कंपनियों ने आम बच्चों और युवाओं को स्क्रीन का लती बनाने के लिए एल्गोरिदम डिजाइन किए हैं, वहीं दूसरी तरफ सिलिकॉन वैली के अपर एग्जीक्यूटिव्स अपने ही घरों में टेक्नोलॉजी पर सख्त पहरा रखते हैं। आम परिवारों में गैजेट्स, एंटरटेनमेंट का साधन बन चुके हैं, जबकि टेक दिग्गजों के घरों में डिजिटल दुनिया के मुकाबले सादगी, और 'बोरियत' को ज्यादा महत्व दिया जाता है।

टेक दिग्गजों के अपने बच्चों के लिए नियम

मार्क जुकरबर्ग ने दूसरी बेटी के जन्म पर लिखे खुले पत्र में बेटी को बाहर खेलने, फूलों की खुशबू लेने और सूखे पत्ते बटोरने की सलाह दी। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि वे अपने बच्चे को एआई से जल्द नहीं जोड़ेंगे। वे उसे मिट्टी में खेलने और 'बोरियत' का अनुभव करने देंगे, क्योंकि बोरियत से ही क्रिएटिविटी जन्म लेती है। अब जानिए, माइक्रोसौफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स क्या सोचते हैं, उन्होंने अपने बच्चों को 14 वर्ष की उम्र से पहले मोबाइल फोन नहीं दिया और तो और दुनिया भर को हर बात के लिए गुगल करने की आदत लगाने वाले गुगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने अपने बेटे को 11 साल की उम्र तक फोन नहीं दिया।

बच्चों को समझदार बनाने के असरदार टिप्स

बच्चों की परवरिश में उन्हें अनुशासन सिखाना बेहद जरूरी होता है, लेकिन कई बार उनके पेरेंट्स गुस्से में आकर उनपर चिल्ला देते हैं। यह तरीका बच्चों के व्यवहार को सुधारने की जगह उन्हें डराने या भावनात्मक रूप से दूर करने का कारण बन सकता है।

ऐसे में आपके शांत, समझदारी भरे व्यवहार और पॉजिटिव नजरिए से, बच्चों में न केवल अनुशासन, बल्कि आत्मविश्वास, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। अगर आप अपने बच्चे को बेहतर दिशा देना चाहते हैं, तो यहां बताए गए कुछ प्रभावी तरीकों को आजमाएं।

बच्चों को कैसे सिखाएं अनुशासन?

शांति से बात करें- बच्चों से गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से बात करें। जब आप शांत रहकर अपनी बात रखते हैं, तो बच्चा उसे ज्यादा गंभीरता से सुनता है। आपका धैर्य उसके लिए एक उदाहरण बनता है कि कैसे भावनाओं पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

सीमाएं तय करें- बच्चों को यह बताना जरूरी है कि उनसे क्या उम्मीदें की जा रही हैं। डिनर के बाद होमवर्क करना है या खिलौने खेलने के बाद वापस रखना है जैसी क्लीयर बाउंड्री तय करने से वे अपनी जिम्मेदारी समझते हैं।

डांटे नहीं, गाइड करें- गलती पर तुरंत चिल्लाने के बजाय बच्चे को समझाएं कि उसने क्या गलत किया और क्यों उसे सुधारने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर कहें, अगर तुमने खिलौने समेटे होते, तो कमरा और अच्छा लगता।

टाइम-इन अपनाएं, टाइम-आउट नहीं- बच्चे को दूर करने की जगह उसे अपने पास बैठाएं और उसके साथ बात करें। टाइम-इन में आप उसे शांत करते हुए समझाते हैं कि उसका व्यवहार क्यों गलत था।

अच्छे व्यवहार की तारीफ करें- जब बच्चा कुछ अच्छा करे, उसकी सराहना करें, जैसे कि मुझे अच्छा लगा कि तुमने अपनी चीजें खुद रखीं।

रंग भरकर चित्र बनाओ

रास्ता खोजो

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

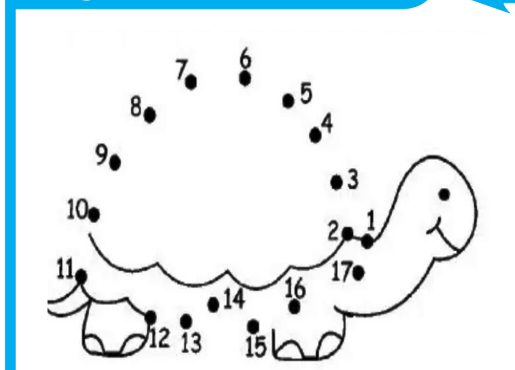

पाकिस्तानी मूल के यूएई क्रिकेटर पर 15 महीने का बैन, आसिफ डोप टेस्ट में फेल

प्रतिबंधित स्टेरॉयड मिला; टेस्ट सितंबर 2025 में हुआ

एजेंसी ▸▸ यूएई

पाकिस्तान में जन्मे यूएई के बल्लेबाज आसिफ खान पर 15 महीने का बैन लगा है। वे डोप टेस्ट में फेल हो गए। उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सैंपल मिले हैं। यह टेस्ट 8 सितंबर 2025 को हुआ था।

आसिफ के सैंपल में मेस्टेरोलोन का मेटाबोलाइट मिला। मेस्टेरोलोन एक प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड है, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन का स्तर बढ़ाने के लिए किया जाता है। 36 साल के क्रिकेटर को आईसीसी एंटी-डोपिंग कोड के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। क्ळउ ने अपने बयान में कहा है कि आसिफ ने नियम तोड़ने की बात मान ली हैं। उन्होंने वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) और आईसीसी के साथ केस रिजॉल्यूशन एग्रीमेंट के जरिए सजा स्वीकार की है। आसिफ पर लगाया गया प्रतिबंध 8 सितंबर 2025 से लागू माना गया है। यह प्रतिबंध इस साल 7 दिसंबर तक चलेगा। आईसीसी ने कहा- आसिफ 8 अक्टूबर से किसी टीम के साथ ट्रेनिंग कर सकेंगे। वह किसी क्लब या क्ळउ के किसी सदस्य संगठन की सुविधाओं का इस्तेमाल भी कर सकेंगे। हालांकि प्रतियोगी क्रिकेट में उनकी वापसी 8 दिसंबर से ही हो सकेगी। आसिफ पर 29 दिसंबर 2025 को अस्थायी निलंबन शुरू किया गया था। 8 सितंबर 2025 से 'अस्थायी निलंबन शुरू होने तक' के उनके इंडिविजुअल रिकॉर्ड या अवॉर्ड रद्द कर दिए गए हैं।

स्पिनर्स कोलंबो टेस्ट में डाल चुके 10 नो-बॉल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट मैच के चौथे दिन काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट गंवा दिए हैं और उसके पास सिर्फ 16 रन की बढ़त है। भारत के तीन स्पिनर्स ने मिलकर इस टेस्ट में अब तक 10 विकेट लिए हैं, लेकिन चर्चा उनके विकेटों की नहीं नो बॉल की हो रही है।

दूसरी ओर श्रीलंका के बल्लेबाज सोनल दिनूषा ने लगातार दूसरे मैच में शतक जमा दिया है। उन्होंने 44 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है। आगे भारतीय स्पिनर्स और सोनल के रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से पढ़िए। भारतीय टीम की ओर से इस मैच में सबसे ज्यादा नो-बॉल ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने डाला है। वे अब तक 6 नो-बॉल डाल चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने 4 नो-बॉल फेंके हैं। भारतीय स्पिनर्स ने 2021 से अब तक इससे ज्यादा 14 नो-बॉल 2021 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ डाले थे।

दिन के खेल के बाद भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच सिराज बहतुले ने कहा- ह्यहम इस पर काम कर रहे हैं। कई बार यह चिंता का विषय बन जाता है।ह्ल उन्होंने टेस्ट में भी फ्री-हिट देने की पैरवी की। बहतुले ने कहा- अगर फ्री-हिट मिलती है तो निश्चित तौर पर नो-बॉल कम हो जाएंगी।'

नैनो न्यूज

- **भारत की राह मुश्किल** – श्रीलंका से ड्रॉ के बाद भारत की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की राह पर दबाव बढ़ गया है।
- **पोलार्ड ने बनाया रिकॉर्ड** – कीरोन पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 65 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड फिर अपने नाम कर लिया।
- **आर्यवीर सहवाग टीम में** – वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में जगह मिली है।
- **अर्शदीप की टेस्ट इच्छा** – भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि वह भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहते हैं।
- **महिला हॉकी का जर्मनी से मुकाबला** – भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व कप में पांचवें स्थान के मुकाबले में जर्मनी से भिड़ेगी। जीत भारत का 52 साल बाद सर्वश्रेष्ठ विश्व कप प्रदर्शन होगा।
- **हॉकी लीग पर संकट** – कप्तान सविता पूनिया ने महिला हॉकी इंडिया लीग के भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए लीग जारी रखने की मांग की।
- **भारत में फुटबॉल का बड़ा शेड्यूल** – भारत अक्टूबर में ब्राजील, पनामा और उरुग्वे जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ घरेलू अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा।
- **चैंपियंस लीग ड्रॉ की तैयारी** – चैंपियंस लीग 2026-27 के लीग-फेज ड्रॉ को लेकर टीमों और संभावित मुकाबलों की तस्वीर साफ होने लगी है।

ट्रोल हो रहे दिल्ली के क्रिकेटर देव चौधरी, आरोप- बैट पकड़ना भी नहीं आता

एजेंसी ▸▸ पटना

दिल्ली प्रीमियर लीग का मौजूदा सीजन देव चौधरी नाम के एक खिलाड़ी की वजह से विवादों में आ गया है। आरोप लग रहे हैं कि देव अपनी क्रिकेटिंग स्किल की वजह से नहीं बल्कि पिता के रसूख और सिफारिश के कारण खेल रहे हैं।

देव न्यू दिल्ली टाइगर्स टीम की ओर से खेल रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे टीम के मालिक के दोस्त के बेटे हैं। देव के पिता का नाम अभी सामने नहीं आया है। टीम के मालिक अजय कुमार हैं।

देव ने न्यू दिल्ली टाइगर्स के लिए ओपनर के तौर पर 2 मैच खेले। एक मैच में वे खाता नहीं खोल सके और दूसरे में 16 रन ही बना सके। खराब प्रदर्शन से ज्यादा चर्चा उनके बैट पकड़ने के तरीके पर हुई। सोशल मीडिया पर उनके स्टांस की काफी आलोचना हुई है। देव चौधरी विवाद के बाद डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने कहा- 'टूनामेंट समाप्त होने के बाद नियम की समीक्षा की जाएगी।' मौजदा नियम के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी नीलामी के बाद तीन और खिलाड़ियों को स्क्वॉड शामिल कर सकती हैं। बशर्ते उन खिलाड़ियों ने दिल्ली जिला लीग में कम से कम पांच मैचों में हिस्सा लिया हो। देव ने डीडीसीए लीग में स्पोर्टिंग क्लब की ओर से 2 मैच खेले थे।

अफगानिस्तान में होगी IPL जैसी लीग

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने आईपीएल जैसी अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) टी-20 का ऐलान किया है। टूनार्मेंट का पहला सीजन 27 दिसंबर से शुरू होगा। दुबई में हुए कार्यक्रम में एक्सल यूनाइटेड काबुल, बलख जवानन और कंधार वारियर्स फ्रेंचाइजी के नाम सामने आए। इसी कार्यक्रम में लीग की ट्रॉफी कोह-ए-जफर को भी लॉन्च किया गया। एपीएल की ट्रॉफी का नाम कोह-ए-जफर रखा गया है। इसका डिजाइन अफगानिस्तान की पर्वत श्रृंखलाओं से प्रेरित है। अउइ के मुताबिक, ट्रॉफी ताकत, मजबूती और क्रिकेट में सफलता के शिखर को दशार्ती है।

दुकान बेचना है
प्राईम लोकेशन कंठाल चौराहा की दुकान बेचनी है। साईज - 10x11 हाईट- 15 फीट
मोबाइल 8518800456 9981310034

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क 9893374872

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें 940 6801069

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570 9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता 9926466157

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें पीसी राजपूत रीयल एस्टेट 9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन फोन नम्बरः-2557390

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे श्री हरि पेपर इंडस्ट्री 8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन मोबाइल 9425358095

न्यूज कॉलम

शादी का बोलकर 8 दिन तक नाबालिग से किया रेप

धार। धार जिले के राजगढ़ में एक किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी द्वारा अचानक संपर्क तोड़ लेने से आहत होकर पीड़िता ने अमझेरा तालाब में कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की सूझबूझ से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पिछले करीब दो साल से धार जिले के उमरिया बड़ा निवासी निलेश डावर के संपर्क में थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती थी, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई।

14 दिन से बारिश नहीं हुई सोयाबीन पर पड़ेगा असर

धार। धार शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले 14 दिनों से बारिश नहीं हुई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में नमी कम होने लगी है और किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। बारिश के अभाव में जलस्रोतों पर भी असर दिख रहा है। कई तालाबों में पानी की आवक नहीं हुई है, जिससे वे खाली पड़े हैं। छोटे जलस्त्रोत और तलाई भी सूखने की कगार पर हैं। इसके साथ ही, तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। किसानों के अनुसार, फिलहाल सोयाबीन की फसल की स्थिति ठीक है, लेकिन यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो फसल प्रभावित हो सकती है। सोयाबीन के लिए पर्याप्त नमी आवश्यक है, और बारिश का लंबा अंतराल उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

70 करोड़ की एमडी ड्रग्स मामले में आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। साल 2021 के बहुचर्चित 70 किलो एमडी ड्रग्स के मामले में फरार आरोपी अकरम (40) पिता असलम खान निवासी महाराष्ट्र को क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया। लंबे समय से क्राइम ब्रांच को उसकी तलाश थी। शनिवार को क्राइम ब्रांच ने मामले का खुलासा किया। दरअसल, 70 किलो एमडी ड्रग्स की डील और 13 लाख 3 हजार 650 रुपए बरामदगी मामले में टीम लंबे समय से अकरम की तलाश में जुटी थी। अकरम के खिलाफ महाराष्ट्र में गंभीर आपराधिक मामले पहले से दर्ज है। वह स्क्रैप का काम करता है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने 6 जनवरी 2021 को मेफेड्रोन (एम.डी.ड्रग्स) की डील के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पराग स्वीट्स की गुजिया में फंगस मिला

मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए जाने पर फैक्ट्री में नष्ट की गई

धार। धार की प्रसिद्ध मिठाई दुकान पराग स्वीट्स की फैक्ट्री में प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान फैक्ट्री में रखी गुजिया में फंगस पाया गया। अधिकारियों ने इसे मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त मानते हुए जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखकर मौके पर ही नष्ट करा दिया। निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) और संबंधित अधिकारियों की टीम ने किया। टीम ने फैक्ट्री में खाद्य पदार्थों के रखरखाव, स्वच्छता और भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया। फंगस लगी गुजिया मिलने के बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे नष्ट कराया। टीम ने प्रतिष्ठान संचालक को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने संचालक से खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच कराने और खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही खाद्य पदार्थों को निर्धारित परिस्थितियों में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। इस मामले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नैनो न्यूज

- **सराफा बाजार में बड़ी कार्रवाई –** डीआरआई ने विदेशी सोने की तस्करी के मामले में दो सराफा कारोबारियों, पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया। करीब 3 किलो विदेशी सोने का मामला सामने आया है।
- **सोना-चांदी के भाव में हलचल –** आज इंदौर समेत प्रमुख शहरों में सोने-चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव जारी रहा। सराफा कारोबारियों की नजर अंतरराष्ट्रीय बाजार के रुख पर है।
- **दलहन कारोबारियों की मंडी शुल्क हटाने की मांग –** इंदौर में बाहर से आने वाली मसूर, उड़द और मूंग पर मंडी शुल्क हटाने की मांग उठी है। मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा हुई।
- **राखी से बाजार में रौनक –** इंदौर के बाजारों में रक्षाबंधन के चलते राखी, मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर अच्छी खरीदारी हुई। कारोबारियों को त्योहारी बिक्री से राहत मिली।
- **उद्योग संगठनों की गतिविधियां –** इंदौर में उद्योगों से जुड़े संगठनों के स्तर पर कारोबार और औद्योगिक गतिविधियों से जुड़े मुद्दे लगातार उठाए जा रहे हैं।
- **कपड़ा बाजार में कारोबार जारी –** इंदौर का क्लॉथ मार्केट शहर के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में बना हुआ है और त्योहारी सीजन में कपड़ा कारोबार पर विशेष नजर है।

सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में बड़ा बांगड़दा और नैनोद स्थित जेएनएनयूआरएम मल्टियों की स्थिति होती जा रही बदहाल

2,012 फ्लैटों में रहते हैं परिवार, दीवारों में दरारें, निगम से मरम्मत की मांग

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में बड़ा बांगड़दा और नैनोद स्थित जेएनएनयूआरएम मल्टियों की स्थिति बदहाल होती जा रही है। इमारतों में जगह-जगह मरम्मत की जरूरत है, वहीं कई मूलभूत सुविधाओं को लेकर रहवासी भी परेशान हैं। इन समस्याओं को लेकर पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं।

अब मल्टियों की मरम्मत और अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर लहूजी शक्ति सेना मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अनिल साठे ने नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

नगर निगम के कर्मचारी भी रहते हैं

साठे के मुताबिक, दोनों मल्टियों में 700 से ज्यादा नगर निगम के मस्टर कर्मचारी और 800 से अधिक रेगपिकर्स, कचरा संग्रहण व स्वच्छता कार्य से जुड़े कर्मचारी अपने परिवारों के साथ रहते हैं। ये कर्मचारी शहर की साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन खुद बदहाल आवासीय स्थिति में रहने को मजबूर हैं।

साठे ने बताया कि इंदौर नगर निगम के वार्ड क्रमांक 15, नया बसेरा-गांधी नगर क्षेत्र के अंतर्गत जेएनएनयूआरएम परियोजना में बड़ा बांगड़दा और नैनोद मल्टियों का निर्माण किया गया है। बड़ा बांगड़दा में 1,012 और नैनोद में करीब 1,000 फ्लैट हैं। दोनों मल्टियों में कुल लगभग 2,012 फ्लैट हैं, जिनमें बड़ी संख्या में परिवार रह रहे हैं।

साठे ने बताया कि बड़ा बांगड़दा मल्टियों की स्थिति ज्यादा खराब है। यहां कई जगह प्लास्टर उखड़ रहा है, दीवारों में दरारें हैं और सीढ़ियों की रेलिंग भी क्षतिग्रस्त है। इसके अलावा रंगाई-पुताई और अन्य जरूरी सिविल रिपेयरिंग कार्य की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर पहले भी नगर निगम और जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने नगर निगम कमिश्नर से मल्टियों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराने और रहवासियों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण करने की मांग की है।

भोजशाला में हनुमान चालीसा, खसरा 612 पर जुमे की नमाज

रास्ते पर दरी बिछाकर नमाज की कोशिश रोकी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर के धार में शुक्रवार को भोजशाला परिसर और उससे सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर दोनों समुदायों के धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार मुस्लिम समुदाय ने खसरा नंबर 612 पर जुमे की नमाज अदा की, जबकि भोजशाला परिसर के अंदर हिंदू समुदाय ने हनुमान चालीसा का पाठ किया।

दोनों आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए भोजशाला और आसपास के क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस बार जुमे की नमाज में शामिल होने वालों की संख्या पिछली बार की तुलना में अधिक नजर आई।

जुमे की नमाज के दौरान कुछ नमाजी खसरा नंबर 612 के पास स्थित रास्ते पर दरी बिछाकर नमाज पढ़ने का प्रयास कर रहे थे। मौके पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने उन्हें रोकते हुए बताया कि यह रास्ता है और यहां नमाज अदा करने की अनुमति नहीं है। पुलिस के समझाने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने निर्धारित स्थान पर ही नमाज अदा की और स्थिति सामान्य रही।

नमाज के बाद कमाल मौला की दरगाह पहुंचे

भोजशाला परिसर में हिंदू समुदाय की ओर से हनुमान चालीसा का पाठ भी शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जुमे की नमाज पूरी होने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग कमाल मौला की दरगाह पहुंचे और सजदा किया। भोजशाला-खसरा नंबर 612 से जुड़े मामले में मुस्लिम समुदाय की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को निर्धारित है। प्रशासन ने दोनों आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया था।

इंदौर के रेस्टोरेंट में मोमोज में रेंगती मिलीं इल्लियां

फ्रोजन मोमोज की बास्केट में भी मिलीं ग्राहक ने खाद्य विभाग से की शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर शहर में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर एक और शिकायत सामने आई है। सी-21 मॉल के पीछे डायमेंशन फर्नीचर के सामने स्थित वी-आर-वन रेस्टोरेंट में मोमोज में इल्लियां मिलने का मामला सामने आया है। मामले में शिकायतकर्ता दीपक मीणा ने खाद्य विभाग से शिकायत कर रेस्टोरेंट के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मामला शुक्रवार शाम करीब 6.30 बजे का है। वे अपने दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट में मोमोज खाने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें मोमोज में इल्लियां रेंगती हुई दिखाई दीं। इस पर उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक सिद्धार्थ मालवीय और कर्मचारी सोनू पाल से शिकायत की। इस पर सोनू का कहना था कि हम मोमोज नहीं बनाते। हमारी कोई गलती नहीं है।

दीपक मीणा ने खाद्य विभाग को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि मोमोज में इल्लियां मिलने की बात बताने पर रेस्टोरेंट संचालक और कर्मचारी ने संतोषजनक जवाब देने के बजाय उनके साथ बदतमीजी की। इसके बाद उन्होंने रेस्टोरेंट में रखी फ्रोजन मोमोज की बास्केट भी चेक की।

मीणा और उनके साथियों का कहना है कि फ्रोजन मोमोज की बास्केट में रखे अन्य मोमोज में भी इल्लियां रेंगती हुई मिलीं। इसके बाद ग्राहक ने मामले की जानकारी खाद्य विभाग को दी।

स्ट्रोक के मरीजों के लिए बोटुलिनम इंजेक्शन से इलाज की नई उम्मीद

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

स्ट्रोक, पैरालिसिस और लकवे के बाद हाथ-पैर में जकड़न व मांसपेशियों के असामान्य रूप से खिंचाव की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन उपचार का एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, उचित मरीजों में इसका उपयोग मांसपेशियों की जकड़न कम करने और पुनर्वास को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि इस उपचार को लेकर मरीजों और आम लोगों में जागरूकता की कमी है। सही समय पर विशेषज्ञ की सलाह और फिजियोथेरेपी के साथ उपचार मिलने से कई मरीज अपनी दैनिक गतिविधियों में अधिक स्वतंत्रता हासिल कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि स्ट्रोक के बाद हाथ-पैर में लगातार जकड़न या अकड़न की समस्या होने पर न्यूरोलॉजिस्ट या रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञ से परामर्श लें। हालांकि, बोटुलिनम हर स्ट्रोक मरीज के लिए जरूरी या उपयुक्त नहीं होता; इसका निर्णय चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए।

इंदौर की लारा साड़ी कलेक्शन में कॉटन साड़ियों का नया कलेक्शन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

महिलाओं के लिए फैशन और आराम का संगम पेश करते हुए लारा साड़ी कलेक्शन ने साड़ियों का नया कलेक्शन प्रस्तुत किया है। कलेक्शन में साउथ कॉटन, पचमपल्ली, मीनाक्षी, झील, समुद्री और लीलन सहित विभिन्न वैरायटी की हल्की व आकर्षक साड़ियां शामिल हैं।

कलेक्शन की खासियत हल्का फैब्रिक, आरामदायक पहनावा और प्रीमियम फैंसी लुक बताया गया है। साड़ियां ऑफिस पार्टी, त्योहार और पारिवारिक आयोजनों के लिए उपयुक्त बताई गई हैं। लारा साड़ी कलेक्शन इंदौर से पूरे भारत में डिलीवरी की सुविधा भी दे रहा है। ऑर्डर के लिए इंस्टाग्राम और वाट्सअप नंबर 7566200070 पर संपर्क किया जा सकता है।

इंदौर रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस का प्रदर्शन

चूहे-खटमलों के आतंक और गंदगी के खिलाफ घेराव

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को प्रदर्शन किया। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलू सेन, नीतिश भारद्वाज और लवेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन का घेराव किया।

प्रदर्शन के दौरान रेलवे अधिकारियों से व्यवस्था को लेकर तीखी नोकझोंक भी हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक व निदेशक के नाम क्षेत्रीय अधिकारी हरिराम मीणा और स्टेशन अधीक्षक रवि बदवर को ज्ञापन सौंपा।

एसी कोच में बुजुर्ग यात्री को चूहे के काटने का मुद्दा उठाया

262 करोड़ के ठेके के बाद भी व्यवस्था पर सवाल

कांग्रेस ने दावा किया कि जून 2026 में ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग और पेस्ट कंट्रोल का करीब 262 करोड़ रुपए का दो वर्षीय ठेका दिए जाने के बावजूद चूहों और कीटों की समस्या बनी हुई है। कांग्रेस नेताओं ने बंद एसी कोच में कीटनाशक स्प्रे किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे यात्रियों को सांस लेने में परेशानी हुई।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर बड़े दावे करता है, लेकिन ट्रेनों के एसी कोच में चूहे, कॉकरोच और खटमलों की समस्या बनी हुई है। नेताओं ने 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को एसी कोच में सोते समय चूहे द्वारा नाक पर काटे जाने की घटना का हवाला देते हुए रेलवे की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। ट्रेनों में गंदे और बदबूदार बेडशीट, तकिए व कंबल मिलने का भी आरोप लगाया। उनका कहना था कि करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

राखी में बहनों ने किया बस में फ्री सफर

56 हजार से ज्यादा महिलाओं की यात्रा इंटरसिटी बसों में सबसे ज्यादा भीड़

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधने मायके जाने वाली बहनों के लिए एआईसीटीएसएल की मुफ्त बस यात्रा की सुविधा राहत लेकर आई। दो दिन तक महिलाओं को दी गई निःशुल्क यात्रा का 56 हजार से अधिक महिलाओं ने लाभ उठाया। इनमें करीब 50 हजार महिलाओं ने इंटरसिटी चार्टर बसों और 6 हजार से अधिक महिलाओं ने सिटी व आई-बस में बिना किराया सफर किया।

एआईसीटीएसएल की पीआरओ माला सिंह ठाकुर ने बताया कि रक्षाबंधन को देखते हुए महिलाओं के लिए 27 अगस्त सुबह 6 बजे से 29 अगस्त सुबह 6 बजे तक 48 घंटे मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई थी। इस दौरान इंदौर से दूसरे शहरों में जाने और अन्य शहरों से इंदौर आने वाली महिलाओं से किराया नहीं लिया गया।

इंदौर से भोपाल, उज्जैन, रतलाम, नीमच, मंदसौर, खरगोन, धार, झाबुआ, शाजापुर, गुना, अशोकनगर और ब्यावरा समेत प्रमुख मार्गों पर चलने वाली चार्टर बसों में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सफर किया।

एआईसीटीएसएल के अनुसार सामान्य दिनों में सिटी बसों से रोजाना करीब 5 से 6 हजार यात्री सफर करते हैं। त्योहारों पर यह संख्या बढ़कर 8 से 9 हजार तक पहुंच जाती है। इनमें महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत रहती है। वहीं, चार्टर बसों के रोजाना 150 से अधिक फेरे संचालित होते हैं।

सुबह से बस स्टॉप पर बढ़ी महिलाओं की भीड़

रक्षाबंधन के दिन सुबह से ही प्रमुख बस स्टॉप और मार्गों पर महिलाओं की आवाजाही बढ़ गई थी। मायके जाने वाली महिलाओं के साथ परिवार के अन्य सदस्यों के आवागमन के कारण बसों में भीड़ रही। शहर के भीतर भी बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिटी और आई-बस में मुफ्त यात्रा का लाभ उठाया।

श्री गणेश बैंड उज्जैन
हमारे यहां घोड़ी, बग्गी, हाथी, ऊंट, लाइट, जनरेटर, लाजमा, ताश पार्टी, ढोल पार्टी, फूल की तोप, दूल्हन की ढोली, गाड़ी वाली लाइट, नाचने वाली घोड़ी आदि उपलब्ध है।
मास्तर : विजय सिंह सरगरा
Mob. 9981908694, 7828525454, 7067237220
अंकपात मार्ग, मीणा धर्मशाला, अंकपात मार्ग गायत्री शक्तिपीठ के पास जीवाजीगंज थाना ढोली गली, उज्जैन

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियां व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006, 9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com